सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

बेचना है
मेन्स वियर फर्नीचर
लकड़ी का कैश काउन्टर, लोहे का काउन्टर
पाईप, कांच, टफन ग्लास, तीन कुलर (बड़ा वाला)
इनवर्टर, बैटरी, पानी मशीन, लाईट, टीवी., डमी
संपर्क करें
फ्रेंड्स कलेक्शन
जवाहर मार्केट 930144443

वर्ष- 15 अंक - 189 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 23 अप्रैल 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

तोता बेचना पड़ा महंगा, वन विभाग की टीम ने पकड़ा; तोते के 16 बच्चे बरामद

कबीरधाम। कबीरधाम वन मंडल अधिकारी शशि कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिला कि एक शख्स तोते की तस्करी करता है। सूचना के आधार पर टीम तैनात की गई। टीम ने चेकिंग के दौरान कवर्धा की तरफसे आ रहे एख व्यक्ति को पकड़ा। जांच के दौरान उसके पास से तोते के 16 बच्चे बरामद हुए। पुलिस ने तोते के बच्चों को और वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आरोपी राजेंद्र के खिलाफमुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि वन्य प्राणी तोता का घरों में पिंजरो में बंद कर पाला जाना एक आम बात है। लेकिन तोता एक वन्य प्राणी है, जिसे वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत संरक्षण प्रदान किया गया है। वन्य प्राणी तोते को वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची 2 में स्थान दिया गया है। तोता का शिकार करना, व्यापार करना या पालना कानूनन अपराध है।

नौसेना के दो हेलीकॉप्टर टकराने के बाद क्रैश हुए, क्रू के सभी 10 सदस्यों की मौत

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलयेशिया में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना हुई। यहां नौसेना के दो हेलीकॉप्टर आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। बताया गया है कि यह हेलीकॉप्टर रॉयल मलयेशिन नेवी के एक समारोह के लिए तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान दोनों हवा में आपस में टकरा गए। इस घटना में हेलीकॉप्टर पर सवार 10 क्रू सदस्यों की मौत हो गई ।

मलयेशियाई नौसेना के मुताबिक, घटना लुमुत नौसैन्य बेस पर सुबह करीब 9.30 बजे हुई। दुर्घटना के बाद सभी मृतकों के शव को लुमुत आर्मी बेस अस्पताल ले जाया गया। यहां उनकी पहचान के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

रायपुर में इस बार 'गड्ढे' भरने पर जोर!

कांग्रेस का विकास उपाध्याय पर दाँव कितना होगा कामयाब, महिला और युवा वोटर्स पर है नजर

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। अपने मजबूत गढ़ में भाजपा की लगाई गई सेंध कांग्रेस को लम्बे समय से सालती रही है, लेकिन अपना किला वापस पाने की तमाम कोशिशों के बाद भी उसे कामयाबी नहीं मिल पाई है। कांग्रेस ने इस बार युवातुर्क विकास उपाध्याय को उतारकर युवा वोटर्स को सकेलने का दाँव तो चला है, पर सवाल यह है कि प्रदेश की सबसे हॉट सीट रायपुर में क्या कांग्रेस उन गड्ढों को भर पाएगी, जो हार का सबब बनते रहे हैं? रायपुर का विकास चुनावों में कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि प्रदेश की राजधानी होने का सबसे पहला लाभ रायपुर को ही मिलता है। ऐसे में भाजपा के लिए केन्द्र में मोदी और राज्य में साय सरकार के कामकाज ही उपलब्धियां हैं। इसके विपरीत कांग्रेस 5 गारंटियों के साथ 25 न्याय को लेकर मैदान में है। पार्टी महिला और युवा वोटर्स पर ज्यादा फोकस कर रही है। महालक्ष्मी न्याय योजना से लेकर अग्निवीर जैसी योजनाओं को लेकर माहौल बनाने की कोशिश है।

1996 में रमेश बैस ने रायपुर लोकसभा क्षेत्र में जो कमल खिलाया था, वह अब भी उसी हाव-भाव और ताव के साथ खिला हुआ है। कांग्रेस 96 के बाद से अब तक यहां जमीन की तलाश कर रही है, लेकिन उसकी यह तलाश खत्म होने का नाम नहीं ले रही। रमेश बैस यहां से 6 बार या कहें 23 वर्षों तक सांसद रहे। इसके बाद उन्हें राज्यपाल बना दिया गया। 2019 के पिछले चुनाव में भाजपा ने रायपुर के महापौर रहे सुनील सोनी को टिकट दिया था। जबकि इस बार 8 बार के विधायक बृजमोहन अग्रवाल पर बड़ा दाँव खेला है। रायपुर में तीसरे व अंतिम चरण में 7 मई को मतदान होगा। जातीय समीकरणों की बात करें तो रायपुर लोकसभा क्षेत्र के भाठापारा, बलौदाबाजार, धरसींवा समेत कुछ और क्षेत्रों में कुर्मी वोटर्स की संख्या ज्यादा हैं। इसी तरह अभनपुर, आरंग, बलौदाबाजार, धरसींवा और भाठापारा में सतनामी मतदाताओं की बहुलता है। रायपुर ग्रामीण, अभनपुर, आरंग, भाठापारा, बलौदाबाजार, धरसींवा और रायपुर पश्चिम में साहू मतदाता ज्यादा हैं। इन सीटों के साहू, कुर्मी और सतनामी वोटर्स सांसद चुनने में अहम भूमिका निभाते हैं। भाजपा यहां से लगातार जीत दर्ज कर रही है तो इसकी सबसे बड़ी वजह जातीय समीकरण भी रहे हैं, लेकिन इस बार दोनों ही दलों ने सामान्य वर्ग से प्रत्यशी उतारकर तमाम समीकरणों को धत्ता बताने की चेष्टा की है। गौरतलब यह भी है कि कांग्रेस इस सीट को हासिल करने के लिए पहले भी जातीय व सामाजिक आधार पर टिकट बांट चुकी है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई। ऐसे में इस भाजपाई किले को ध्वस्त करना कांग्रेस की सबसे पहली और बड़ी प्राथमिकता है।

9 में से 8 सीटों पर मिली जीत

इस लोकसभा क्षेत्रांतर्गत आने वाली सभी 9 विधानसभा सीटों में से 8 पर विगत चुनाव में भाजपा ने कब्जा किया था। इस आधार पर माना जा रहा है कि भाजपा के लिए इस बार भी लोकसभा की राह में ज्यादा कठिनाई नहीं आएगी। वर्तमान लोकसभा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल स्वयं रायपुर नगर दक्षिण से रिकार्ड मतों से चुनाव जीते थे। उनके अलावा बलौदा बाजार से टंकराम वर्मा, धरसींवा से अनुज शर्मा, रायपुर नगर पश्चिम से राजेश मूणत, रायपुर नगर उत्तर से पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण से मोतीलाल साहू, अभनपुर से इंद्रकुमार साहू और आरंग से गुरू खुशवंत सिंह ने जीत हासिल की थी। इस लोकसभा क्षेत्र की इकलौती भाटापारा सीट पर भाजपा को पराजय का मुंह देखना पड़ा था, जहां से भाजपा के सीनियर नेता शिवरतन शर्मा चुनाव हार गए थे। यहां कांग्रेस के इंद्रकुमार साव ने 11 हजार से ज्यादा मतों से जीत हासिल की थी। हालांकि भाजपा का मानना है कि लोकसभा चुनाव में भाटापारा से भी उसे लीड मिलेगी। वहीं कांग्रेस भी रायपुर लोकसभा का रण बड़े अंतर से जीतने की बात कर रही है।

ये हैं दोनों के प्रमुख मुद्दे

रायपुर लोकसभा क्षेत्र की बात करें तो यहां राष्ट्रीय के साथ ही स्थानीय मुद्दे भी हावी हैं। गांव और शहर की अपनी-अपनी मांग है। भाजपा इस बार भी केंद्र की उपलब्धियां गिनवा रही है तो कांग्रेस रायपुर की जनता को बताने की कोशिश कर रही है कि पिछले 10 साल में किस तरह से देश की अर्थव्यवस्था चौपट हुई। रायपुर लोकसभा के लिए भाजपा राममंदिर, धारा 370, तीन तलाक और महिलाओं की महतारी वंदन योजना का खूब प्रचार कर रही है। इसी के साथ भाजपा ने हर मोर्चे पर ये बताने की कोशिश की है कि यदि अगली बार भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने तो बुजुर्गों को, जिनकी उम्र 70 साल से ज्यादा हो चुकी है उन्हें 5 लाख तक का मुफ्त इलाज केंद्र सरकार देगी। इसी के साथ ही बेरोजगारी को दूर करने के लिए नई स्कीम के साथ उद्योग स्थापित किए जाएंगे। भाजपा अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ कांग्रेस सरकार की खामियां गिनाने में भी पीछे नहीं है। वह अपनी सभाओं में ये बताने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस ने पांच साल के शासन में छत्तीसगढ़ में सिर्फ भ्रष्टाचार किया। वहीं, भाजपा की तुलना में कांग्रेस ने 5 गारंटी के साथ 25 न्याय को पूरा करने का संकल्प लिया है, जिसमें सबसे ज्यादा चर्चा 1 लाख रुपए हर साल गरीब महिलाओं को देने की है। इस महालक्ष्मी न्याय योजना के सहारे कांग्रेस विधानसभा में हुए अपने नुकसान की भरपाई करना चाह रही है। छत्तीसगढ़ में महिला वोटर्स की संख्या ज्यादा है, इसलिए कांग्रेस ने अपनी घोषणाओं में महिलाओं को टारगेट किया है। साथ ही साथ हर साल नौकरी देने, जातिगत आरक्षण के साथ अग्निवीर जैसी भर्ती को बंद करके फिर से सेना में फुल टाइम वैकेंसी की बात कांग्रेस ने कही है।

रायपुर को मिलेगा नया लीडर

भाजपा व कांग्रेस दोनों ने ही लोकसभा की दृष्टि से नए चेहरे को उतारा है। बृजमोहन अग्रवाल भले ही भाजपा के सीनियर नेता है, लेकिन वे पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं विकास उपाध्याय कांग्रेस के युवा और लोकप्रिय चेहरा हैं। ऐसे में चुनाव कोई भी जीते, रायपुर को एक नया लीडर मिलना तय है। रायपुर लोकसभा सीट पर लगभग 20 लाख 46 हजार 14 मतदाता हैं। इनमें से 10 लाख 39 हजार 867 पुरुष वोटर्स हैं, तो वहीं 10 लाख, 5 हजार, 871 महिला वोटर्स हैं। यहां महिलाओं की तुलना में पुरुष मतदाताओं की संख्या ज्यादा हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में यहां 13 लाख, 96 हजार, 250 मतदाताओं ने मतदान किया था। तब यहां 68 फीसद मतदान हुआ था। यहां शहरी जनसंख्या 48.46 प्रतिशत है। वहीं आदिवासियों की आबादी 6 फीसद और दलितों की आबादी 17 फीसदी है। इस बार रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 50 हजार से ज्यादा नए मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। ऐसे में युवा वोटर्स का फैसला यहां गेमचेंजर साबित हो सकता है। युवाओं के अलावा इस बार रायपुर में थर्ड जेंडर की संख्या 305 है।

जाबाज जवानों को मिलेगा 2 करोड़ का ईनाम

29 नक्सलियों का खात्मा करने वाले जवानों को बँटेगी ईनामी राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। पिछले दिनों हार्डकोर ईनामी समेत कुल 29 नक्सलियों का खात्मा करने वाले जवानों को 2 करोड़ की ईनामी राशि वितरित की जाएगी। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में शामिल पुलिस अफसरों व जवानों को उनकी भूमिका के अनुरूप ईनामी राशि का वितरण किया जाएगा। नक्सल वारदात कांकेर जिले के थाना छोटे बेटिया के कलपर क्षेत्र में 16 अप्रैल को हुई थी।

दावा किया जा रहा है कि यह देश की पहली ऐसी मुठभेड़ थी, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए। इससे पहले महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 26 नक्सलियों की मौत हुई थी। यह घटना महाराष्ट्र के पूर्वी जिले गढ़चिरौली में मुंबई से 900 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। इसी तरह ओडिशा के रामगढ़ में 2016 में हुई मुठभेड़ में 27 नक्सलियों को मार गिराया गया था। कांकेर जिले में 16 अप्रैल को हुई नक्सल मुठभेड़ में मारा गया शंकर राव भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माओवादी का डीवीसी सदस्य और उत्तर बस्तर डिवीजन मास प्रभारी था। उस पर 8 लाख रुपए का ईनाम था। उसके पास से एके 47 बंदूक बरामद की गई थी। इसी तरह पुलिस कार्रवाई में मारा गया रवि उर्फ बचून भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी माओवादी के पीपीसीएम एसएमसी दस्ते का कमांडर था। वह ग्राम औकेमपाल थाना गंगालूर जिला बीजापुर में सक्रियय होकर वारदातों में शामिल था, उस पर 10 लाख रुपयों का ईनाम घोषित था।

सूत्रों के मुताबिक, इस मुठभेड़ में मारे गए कई नक्सली ऐसे हैं जिन पर पांच से आठ लाख रूपए तक का ईनाम था। इनमें पुरुषों के अलावा महिलाएं भी शामिल थी। एक महिला नक्सली रीता सलामे भी इनमें थी, जो नक्सलियों के लिए डॉक्टर का काम करती थी। उस पर पांच लाख रुपए का ईनाम था। उसके कब्जे से इसांस रायफल मिली थी। इसी तरह विनोद गावड़े पर पांच लाख रुपए का ईनाम था। उसके कब्जे से एसएलआर रायफल मिली है, जिसकी कीमत डेढ़ लाख रूपए आंकी गई है। सुखलाल उर्फ पद्दा भी पांच लाख का ईनामी था और उसके कब्जे से सिंगल शॉट बंदूक मिली जो 30 हजार रुपए की है। रमेश ओयाम आठ लाख रुपए का ईनामी, बदरु बाडसे 8 लाख का ईनामी था उसके कब्जे से 303 रायफल मिली जो 75 हजार रुपए की है। अनिता उसेंडी एक महिला नक्सली थी जो 8 लाख रूपए की ईनामी थी। रंजीता पांच लाख की ईनामी, गीता पांच लाख, सुरेखा, कविता, रोशन उर्फ कोसला कार्तिक उर्फ सोनू, शर्मिला पर एक-एक्क लाख का ईनाम था। गीता कर्मा, भुमे उर्फसुनीता, लालू उर्फअविनाश, बजनात पड़ा, जैनी उर्फ जेन्नी, जीनू उर्फ गुड्डु, सुनिला मडकाम, सीताल उर्फ सीताराम, राजू कुरसम, शीला उर्फ शीलो और देवाल पर 8-8 लाख का ईनाम था। पिंटू उर्फ पिंटो दो लाख का ईनामी था।

हनुमानजी सबके आराध्य क्यों?

श्रीकंचनपथ

मान्यता है कि हनुमत कृपा से न केवल सभी प्रकार के संकट टल जाते हैं बल्कि बिगड़े कार्य भी बन जाते हैं। हनुमानजी साढ़े 85 लाख साल पहले त्रेतायुग में प्रकट हुए और तब से आज तक पृथ्वी पर किसी न किसी रूप में मौजूद हैं। हनुमानजी की पूजा का कोई विशेष विधि विधान भी नहीं है। यदि आप भक्त हैं और सदैव उनका नाम लेते रहते हैं तो हनुमानजी की कृपा हमेशा आपपर बनी रहती है। उन्हें श्रीरामजी का नाम भी बहुत प्यारा है इसलिए राम-राम और सीता-राम कहने वालों पर भी हनुमानजी की कृपा बनी रहती है। हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए लोग हनुमानाष्टक, हनुमान चालीसा और सुन्दरकाण्ड का पाठ भी करते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि हनुमानजी की कृपा पाने का असली तरीका क्या है? इसके लिए हमें हनुमानजी के जीवन दर्शन पर गौर करना होगा। हनुमानजी अत्यंत बलशाली थे पर उनमें वैसी कोई उत्कट महत्वाकांक्षा नहीं थी जैसी रावण या बाली में थी। उन्होंने स्वयं को पूरी तरह से रामकाज के प्रति समर्पित कर दिया। स्वयं प्रभु श्रीराम के पास भी कोई उत्कट महत्वाकांक्षा नहीं थी। उन्होंने किष्किंधा के राजा को पराजित किया पर स्वयं राज करने की बजाय सिंहासन सुग्रीव को सौंप दिया। रावण को पराजित करने के बाद उन्होंने लंका पर राज नहीं किया बल्कि विभीषण का राजतिलक कर राजपाट उसे सौंप दिया। इस तरह से वो बिना मालिक बने ही दो शक्तिशाली राज्यों के लिए पूजनीय हो गए। यही गुण हनुमानजी के थे। किष्किंधा का राजा बने बिना ही वे सभी वानरों के लिए अग्रगण्य हो गये, बिना सिंहासन पर बैठे भी श्रीराम के जैसे पूजनीय हो गए। दरअसल, जिस तरह यह सत्य है कि सभी राजा नहीं हो सकते, उसी तरह यह भी सत्य है कि सभी राजा सुखी नहीं होते। सुख और दुख अपनी सोच का परिणाम हैं। हनुमानजी की भक्ति करने वाला जब स्वयं को उनके हाथों में सौंप देता है तो वह जीवन से संतुष्ट हो जाता है। जो मिलता है उसे प्रसाद समझता है और जो नहीं मिला उसके लिए प्रयत्न करता रहता है। आज सारी आपाधापी इसलिए है कि जीवन में संतोष नहीं है। जो है उसके लिए ईश्वर का शुक्रगुजार होने की बजाय जो नहीं है उसे प्राप्त करने के लिए लोग दिन भर मारे-मारे फिर रहे हैं। इसके लिए उधार ले रहे हैं, अपराध कर रहे हैं। इसलिए जीवन में कष्ट बढ़ रहा है। अतः जो है, जितना है उसके लिए ईश्वर का धन्यवाद करें और उसे बेहतर बनाने के लिए पुरुषार्थ करते रहें। हनुमानजी मंगल करेंगे।

पुण्य स्मरण....

श्रीकंचनपथ की संस्थापक-संपादक
स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल जन्म : 23 अप्रैल 1968 निर्वाण: 25 जुलाई 2012

का जीवन, कृतित्व और व्यक्तित्व आज इस समाचार पत्र के माध्यम से हम सबके बीच विद्यमान है। रचनाधर्मिता को ही अपना जीवन और आजीविका मानने वाली हमारी पथप्रदर्शक स्व. श्रीमती रजनी कहती थीं, ठहरा हुआ तो पानी भी खराब हो जाता है। हमें निरंतर कुछ न कुछ नया करते रहना चाहिए। पहले किसी ने नहीं किया, किसी ने ऐसा नहीं सोचा - यह उक्ति भय नहीं प्रेरणा का स्रोत है। यदि हम किसी क्षेत्र में नई पहल करते हैं तो उसकी सफलता की संभावना ही अधिक होती है। श्रीकंचनपथ परिवार (मीडिया हाऊस) ने हमेशा इस बात का ध्यान रखा है और आगे भी रखता रहेगा। पंद्रह वर्षों की हमारी यात्रा इस बात का गवाह है कि प्रत्येक नई पहल का पाठकों, शुभचिन्तकों और सहयोगियों ने हमेशा स्वागत किया और नई राहें निकलती चली गईं।

आज उनकी जयंती पर उनका पुण्यस्मरण करते हुए
श्रीकंचनपथ परिवार (मीडिया हाऊस) उनके आगे श्रद्धावनत् है...

स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल जी
को उनकी
जयंती पर पुण्य स्मरण....

श्रीकंचनपथ | Harsh Media Advertisers | SHREE KP NEWS

संपादकीय

गुकेश की जय

> शतरंज की दुनिया में सतरह वर्षीय डी गुकेश ने जो इतिहास रचा है, वह बहुत सुखद और स्वागत के योग्य है। रविवार को टोरंटो में एफआईडीई कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले वह पहले किशोर बन गए हैं। वह सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर्स भी बन गए हैं और विश्वनाथन आनंद के बाद कैंडिडेट्स जीतने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय भी। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शतरंज खिलाड़ियों के लिए चुनौती बन गए हैं और अब तक के सबसे श्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद से वह पिछले वर्ष ही आगे निकल चुके हैं।

ध्यान रहे कि आनंद तीन दशक से भी ज्यादा समय तक देश के अव्वल खिलाड़ी रहे हैं और अब उनका स्थान गुकेश ने ले लिया है। गुकेश ने अंतिम दौर में नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ के साथ कैंडिडेट्स में जीत दर्ज की है। अगला विश्व शतरंज चैंपियन बनने के लिए उनका सामना डिंग लिरेन से होगा। टोरंटो में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गुकेश को आला दरजे का प्रतिद्वंद्वी नहीं माना जा रहा था, अतः शतरंज की दुनिया के लिए भी गुकेश किसी चमत्कार से कम नहीं हैं।

गुकेश की इस सफलता के पीछे उनका लंबा संघर्ष छिपा है। 29 मई, 2006 को चेन्नई में जन्म लेने वाले गुकेश ने महज सात साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। शतरंज की दुनिया में उन्हें महज 12 की उम्र में ही पहचान मिल गई थी, जब उन्हें ग्रैंडमास्टर का दरजा मिला था। गुकेश की दुर्लभ प्रतिभा की जितनी तारीफकी जाए कम होगी। अक्सर ऐसे खिलाड़ी हुए हैं, जो बढ़ती उम्र के साथ रैंकिंग में लुढ़कने लगते हैं, पर गुकेश लगातार सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। उनके प्रदर्शन में विरल किस्म की स्थिरता है। पर्याप्त तेजी और आक्रामकता है। किसी भी आक्रमण का जवाब वह बहुत आराम से देते हैं। उनके आक्रमण में गहराई है, जिससे प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी डगमगा जाते हैं। किसी हार के बाद वह तत्काल जीत के लिए प्रयासरत हो जाते हैं। यही खूबियां उन्हें बहुत कम समय में दुर्लभ ऊंचाई पर ले आई हैं। यहां विश्वनाथन आंनद भी उनकी खूब प्रशंसा कर रहे हैं। बधाइयों का तांता लगा हुआ है, तो जाहिर है, इससे भारत में शतरंज को और बढ़ावा मिलेगा। भारत शतरंज खिलाड़ियों का एक पुराना गढ़ है, पर यदा-कदा चमक बिखेर देने वाले खिलाड़ियों के बजाय सतत चमकने वाले खिलाड़ियों की जरूरत है। गुकेश में यह क्षमता है कि वह विश्व चैंपियन की पदवी पर वर्षों तक बने रह सकते हैं।

यह सोने पर सुहागे जैसा है कि वह विश्व चैंपियनशिप मैच में खेलने वाले सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बन जाएंगे। गौर करने की बात है कि विश्वनाथन आनंद ने कैंडिडेट्स में भाग लेने जाने वाले खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें प्रेरित किया था। आनंद ने यह बताया था कि किन मुश्किलों के बीच उन्होंने साल 2014 में यह टूर्नामेंट जीता था। यह प्रेरणा निश्चित ही भारतीय खिलाड़ियों के काम आई है। गुकेश, विदित, प्रगनानंद, वैशाली और हंपी ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया था और इन सभी के बीच गुकेश सबसे अव्वल रहे, तो आनंद को कोई आश्चर्य नहीं है। आनंद नई पीढ़ी के इन भारतीय शतरंज खिलाड़ियों की मजबूत मनोदशा और अथाह प्रतिभा से अच्छी तरह परिचित हैं। नई पीढ़ी के खिलाड़ियों में किसी भी प्रकार का भय या चिंता नहीं है। उनका पूरा ध्यान बाजी जीतने पर होता है और यही बात विश्व चैंपियनशिप में गुकेश के काम आएगी, जब उनका मुकाबला वर्तमान चैंपियन चीनी खिलाड़ी डिंग लिरेन से होगा।

नजरिया

> पृथ्वी दिवस के इतिहास को खंगालते हुए हम अगर पीछे की ओर जाएं, तो हमारी मुलाकात रचेल कार्सन से होती है। कार्सन वहां खड़ी हैं, जहां से आधुनिक दौर की पर्यावरण चेतना शुरू होती है।

पृथ्वी के नाम पर बस एक खास दिन

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

यहां कार्सन को याद करने का एक और कारण यह भी है कि आज से ठीक 60 साल पहले अप्रैल के महीने में ही उनका निधन हुआ था। यह सन् 1962 की बात है, जब कार्सन ने एक किताब लिखी थी- साइलेंट प्रगं यानी मौन बसंत। कई बरस से सिंथेटिक कीटनाशकों के खतरों पर काम कर रहीं कार्सन ने एक ऐसे भविष्य की कल्पना की थी, जब बसंत का मौसम तो आएगा, पर न पक्षी चहचहाएंगे और न भौंरे गुंजार करेंगे। दरअसल, वे होंगे ही नहीं, क्योंकि फसलों को बचाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए जिस तरह से डीडीटी जैसे कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उसके बाद तो इन सबके बचने की उम्मीद भी नहीं दिख रही है।

कार्सन की इस किताब को लोगों ने हाथों-हाथ लिया, लेकिन उद्योगों ने इसका भारी विरोध भी किया। खुद कार्सन पर निजी हमले भी हुए। मामला अदालत में पहुंच गया और सरकारों को सफाई देनी पड़ी। इसी के साथ ऐसे वैकल्पिक कीटनाशकों को विकसित करने का दबाव भी बना, जो ज्यादा खतरनाक न हों। हालांकि, पुस्तक प्रकाशन के डेढ़ साल बाद ही कार्सन का निधन हो गया, पर पर्यावरण की चेतना का जो सिलसिला उनसे शुरू हुआ, वह फिर रुका नहीं।

अब एक नजर उस दौर पर भी डाल लेते हैं, जिसने इस चेतना को जड़ें जमाने की जमीन दी। कार्सन जिस समय यह किताब लिख रही थीं, उस समय अमेरिका और पश्चिम के कई देशों में हिप्पी आंदोलन तेजी पकड़ रहा था। दूसरे विश्व-युद्ध के बाद के निर्दयी औद्योगीकरण से उकताए नौजवान ही बगावत पर उतारू थे। वे स्थापित मान्यताओं की बहुत सी जंजीरों को तोड़ देने पर आमादा थे। फिर बेवजह से लग रहे वियतनाम युद्ध से आई कहानियां पूरे अमेरिका को झझकोर रही थीं। पश्चिम से निकलकर यह आंदोलन पूरी दुनिया में फैलने की कोशिश कर रहा था। कार्सन की किताब ने नौजवानों को अपनी बगावत को सही ठहराने का एक और तर्क दे दिया था।

हर तरफ चिंताएं बढ़ रही थीं कि इन नौजवानों को कैसे पटरी पर लाया जाए। ठीक इसी समय अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेलसन को एक रास्ता समझ में आया। उन्हें लगा कि इन नौजवानों की ऊर्जा को पर्यावरण से जोड़कर अच्छे भविष्य की एक मुहिम चलाई जा सकती है। उन्होंने कोशिश की, तो दुनिया की कई सरकारें और संगठन उनके साथ आ गए। यहीं से पृथ्वी दिवस की अवधारणा निकली। 22 अप्रैल, 1970 को जब पहला पृथ्वी दिवस मनाया गया, तो अकेले अमेरिका में इसके कार्यक्रम में दो करोड़ लोग शामिल हुए। कहा जाता है कि पूरी दुनिया में एक अरब लोगों ने इसमें शिरकत की। इसका श्रेय पूरी तरह से पृथ्वी दिवस को तो नहीं दिया जा सकता, पर इसी के बाद से हिप्पी आंदोलन का उबाल बैठने लग गया।

हालांकि, नेलसन चाहते थे कि पर्यावरण को लेकर नौजवान एक जन-आंदोलन करें, जो सरकारों और स्थापित सत्ताओं पर दबाव बनाए। अमेरिका के नौजवानों ने तो रास्ता बदलना शुरू कर दिया, मगर बाकी दुनिया के नौजवानों में जो उथल-पुथल दिखाई दी, उसे युवा असंतोष का दौर कहा जाता है। यह वही समय था, जब 1974 में गुजरात के एक छात्रावास में छोटा-सा आंदोलन शुरू हुआ था और जल्द ही वह बिहार समेत पूरे देश में फैल गया था। कुछ समय बाद नौजवानों ने इसका नेतृत्व जय प्रकाश नारायण को सौंपा और इसको संपूर्ण क्रांति आंदोलन का नाम दिया गया। आज देश में जितने भी वरिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं, वे किसी न किसी तरह से उस दौर की राजनीति से ही निकले हुए हैं।

इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया में कुछ लोगों ने सोचा कि पर्यावरण की इस चेतना को एक राजनीतिक आकार दिया जाए। इसी सोच से जन्म हुआ ग्रीन पार्टी का। ऑस्ट्रेलिया से निकलकर यह अवधारणा दुनिया के कई देशों में फैल गई। बहुत से देशों में ग्रीन पार्टी की स्थापना हुई। एक समय तक तो यूरोप के कई देशों में इसका खासा असर भी दिखाई दिया। इस पार्टी ने स्थानीय स्तर पर कुछ एक चुनाव भी जीते। राजनीतिज्ञों ने इसे गंभीरता से लेना शुरू कर दिया और इसे भविष्य की राजनीतिक ताकत कहा जाने लगा, लेकिन राजनीति का रास्ता कभी इतना सीधा नहीं होता। राजनीति की मुख्यधारा में शामिल होने की कोशिश में ग्रीन पार्टी धीरे-धीरे अपनी पहचान खोती गई और ओझल होने लगी।

यह जरूर है कि इसके बाद से पर्यावरण के मुद्दे राजनीतिक दलों के एजेंडे में जगह पाने लगे। भले ही इसका बहुत बड़ा अर्थ नहीं है, क्योंकि सिर्फ इतने भर से पर्यावरण को लेकर इन दलों की गंभीरता का कोई अंदाज नहीं लगता। यह दुनिया भर में हुआ। इस समय हमारे देश में आम चुनाव चल रहा है और हम साफतौर पर देख सकते हैं कि चुनावी जंग में पर्यावरण के मुद्दे कहां खड़े हैं। घोषणापत्र पर्यावरण की चिंता से अछूते नहीं हैं, पर यहां बातें किसी औपचारिकता से आगे का कोई रास्ता नहीं पकड़ती हैं। आप इसे कोरा जुबानी जमाखर्च भी कह सकते हैं। पर्यावरण के नाम पर कोई दल या उम्मीदवार जनता से वोट नहीं मांग रहा है। यहां तक कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे उन राज्यों में भी, जहां पर्यावरण में बदलाव का असर लोगों के जीवन पर पड़ता दिखाई भी देने लगा है। अच्छे पर्यावरण का कोई वादा नहीं कर रहा, यह किसी भी गारंटी में शामिल नहीं है।

आज भी हर साल 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस हमें बीच राह में भटक गए पर्यावरण के संकल्पों की याद दिलाने आ जाता है। इस दिन दुनिया भर के स्कूल, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, दफ्तरों वगैरह में बड़े और भव्य कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं, पर इनमें बदलाव की ऊर्जा कम होती है और पर्व मनाने की औपचारिकता ज्यादा। कुछ जगह तो वे कंपनियां ही ऐसे कार्यक्रमों की प्रायोजक होती हैं, जिन पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के आरोप चस्पां हैं। पर्यावरण के नाम पर जन-आंदोलन खड़ा करके सरकारों पर दबाव बनाने का जो सपना गेलॉर्ड नेलसन ने देखा था, आज का पृथ्वी दिवस उससे बहुत दूर जा चुका है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आकर्षण समाज के हर वर्ग में हैं

अवधेश कुमार

इस समय लोक सभा चुनाव को लेकर कई तरह के मत हमारे सामने आ रहे हैं। सबसे प्रबल मत यह है कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपने सहयोगी दलों के साथ तीसरी बार भारी बहुमत से सरकार में लौट रही है। कुछ लोग प्रधानमंत्री के 370 भाजपा के और सहयोगी दलों के साथ 400 सीटें मिलने तक की भी भविष्यवाणी करने लगे हैं। दूसरी ओर, विपक्ष इसे खारिज करते हुए कहता है कि भाजपा चुनाव हार रही है और वह 200 सीटों से नीचे चली पाएगी।

विपक्ष भाजपा की आलोचना करती है, नरेन्द्र मोदी पर सीधे प्रहार भी करती है, पर अपने समर्थकों और भाजपा विरोधियों के अंदर भी विश्वास नहीं दिला पाती कि वाकई वह भाजपा से सत्ता छीनने की स्थिति में चुनाव लड़ रहे हैं। आईएनडीआईए गठबंधन (इंडिया) की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस से नेताओं के छोड़कर जाने का कायम सिलसिला इस बात का प्रमाण है कि पार्टी के अंदर कैसी निराशा और हताशा है। तो फिर इस चुनाव का सच क्या हो सकता है? आखिर 4 जून का परिणाम क्या तस्वीर पेश कर सकता है? इस चुनाव की एक विडंबना और है। भाजपा के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का एक वर्ग स्वयं निराशाजनक बातें करता है। व्यक्तिगत स्तर पर मेरी ऐसे अनेक लोगों से बातें होती हैं, जो चुनाव में जमीन पर हैं या वहां होकर लौट रहे हैं। इनमें ऐसे लोगों की संख्या बड़ी है जिनमें उत्साह या आशावाद का भाव न के बराबर मिलता है। वे बताते हैं कि जैसी दिल्ली में या बाहर हवा दिखती है धरातल पर वैसी स्थिति नहीं है। जब उनसे प्रश्न करिए कि धरातल की स्थिति क्या है तो सबके उत्तर में कुछ सामान बातें समाहित होती हैं, गलत उम्मीदवार के कारण लोगों के अंदर गुस्सा या निराशा है, गठबंधन को सीट देने के कारण अपने लोगों के अंदर निराशा है, गठबंधन ने ऐसे उम्मीदवार खड़े किए हैं जिनका बचाव करना या जिनके लिए काम करना भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए कठिन हो गया है आदि। कुछ लोग अनेक क्षेत्रों में जातीय समीकरण की समस्या का उल्लेख भी करते हैं। एक समूह यह कहता है कि आम कार्यकर्ताओं और नेताओं की सरकार में उपेक्षा हुई है, उनके काम नहीं हुए हैं, उनको महत्त्व नहीं मिला है और अब लोगों का धैर्य चूक रहा है।

यहां तक कि जिस तरह के लोगों को पुरस्कार, पद, प्रतिष्ठा या टिकट दिया गया है उनसे भी लोग असहमति व्यक्त करते हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं समर्थकों के साथ विपक्ष की बातों को मिला दिया जाए तो निष्कर्ष यही आएगा कि भले भाजपा 400 पार का नारा दे, लेकिन यह हवा हवाई ही है। किंतु क्या यही 2024 लोक सभा चुनाव की वास्तविक स्थिति है? यह बात सही है कि अनेक राज्यों, जिनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आदि को शामिल किया जा सकता है वहां पार्टी के अंदर कई जगह उम्मीदवारों को लेकर विरोध है। कुछ उपयुक्त लोगों को टिकट न मिलना तथा ऐसे सांसदों को फिर से उतारना जिनको लेकर कार्यकर्ता नाराजगी प्रकट करते रहे हैं विरोध का एक बड़ा कारण है। साथी दलों ने भी भाजपा के लिए समस्याएं पैदा की है। उदाहरण के लिए बिहार में लोजपा ने ऐसे उम्मीदवार उतारे जो परिवारवाद का साक्षात प्रमाण है और भाजपा के लोगों के लिए इनका बचाव करना कठिन है। कुछ साथी दलों ने प्रभाविता और साक्षमता की जगह व्यक्तिगत संबंध और परिवार को टिकट देने में प्रमुखता दिया। बिहार के जमुई में प्रधानमंत्री मोदी स्वयं प्रचार के लिए गए और वहां भाजपा के लोगों ने पूरी ताकत लगाई। इसका असर भी हुआ। बावजूद यह प्रश्न किया जा रहा है कि किसी नेता के बहनोई या 26 साल की एक लड़की को, जिसके पिता साथी दल में नेता हैं उनको हम अपना नेता या प्रतिनिधि मानकर कैसे काम करें? स्वर्गीय रामविलास पासवान की राजनीति परिवार के इर्द-गिर्द सिमटी रही। जद (यू) की ओर से भी ऐसे कई उम्मीदवार हैं, जिन्हें भाजपा और राजग के परंपरागत कार्यकर्ता और समर्थक स्वीकार नहीं कर रहे। भाजपा के भी कुछ ऐसे उम्मीदवार हैं, जिनके बारे में नेता कार्यकर्ता कह रहे हैं कि हम पर उन्हें थोप दिया गया है। झारखंड में भी बाहर से लाकर टिकट देने और ऐसे उम्मीदवार को खड़ा करने, जिनको भाजपा पहले नकार चुकी हो समस्या पैदा कर रही है। किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि 4 जून का परिणाम भी इसी के अनुरूप आएगा।

यह सही है कि अगर भाजपा और राजग में उम्मीदवारों के चयन में ज्यादा सतर्कता बरती जाती, स्थानीय नेतृत्व के चयन की सही तरीके से जांच होती तो स्थिति पूरी तरह वैसी ही उत्साहप्रद होती जैसी चाहिए। बावजूद देशव्यापी व्याप्त अंतर्धारा क्या है? 10 वर्षो की नरेन्द्र मोदी सरकार का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री की स्वयं की छवि, वर्षो तक संगठन परिवार द्वारा हिंदू समाज के बीच किए गए सकारात्मक कार्य, 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, विरोधियों द्वारा हिन्दुत्व को लेकर उपेक्षा या प्रहार का व्यवहार तथा अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों का वोट लेने के लिए विपक्षी दलों की प्रतिस्पर्धा भाजपा के पक्ष में ऐसा आधार बनाती है जिसका कोई विकल्प नहीं। भाजपा के समर्थकों में एक बड़ा वर्ग विचारधारा के कारण जुड़ाव रखता है और पिछले कुछ वर्षो के कायरे के कारण हिन्दुओं के अंदर हिन्दुत्व एवं भारतीय राष्ट्रभाव की चेतना प्रबल हुई है। वह बहस करते हैं कि आखिर भाजपा नहीं होती तो क्या अयोध्या में राम मंदिर बनता और ऐसी प्राण प्रतिष्ठा होती? वे धारा 370 से लेकर समान नागरिक संहिता, तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून आदि की चर्चा करते हैं। नागरिकता संशोधन कानून का तो आईएनडीआईए के ज्यादातर दलों ने विरोध किया है। उन्हें लगता है कि घातक अल्पसंख्यकवाद पर अगर किसी पार्टी की सरकार द्वारा नियंत्रण लगा है तो भाजपा ही है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रभावों के कारण जिन माफियाओं पर सरकारें उनके समुदाय के कारण हाथ डालने से बचती थी, वे मटियामेट हुए हैं, सड़कों पर नमाज पढ़ना बंद हुआ है। स्वाभाविक ही उन्हें लगता है कि आने वाले समय में कोई पार्टी अगर इन सब पर काम कर सकती है तो वह भाजपा ही है। दूसरी ओर सामाजिक न्याय एवं विकास को मोदी सरकार ने जिस तरह से व्यावहारिक रूप दिया है उसका बड़ा आकषर्ण समाज के हर वर्ग में है।

न्यायिक गरिमा को अक्षुण्ण रखने का आह्वान

अब की बार पूर्व न्यायाधीशों ने 'न्यायपालिका को अनावश्यक दबाव से बचाने के लिए' देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखा है। सुप्रीम कोर्ट के चार और हाई कोर्ट के 17 पूर्व न्यायाधीशों ने किसी का नामोल्लेख किए बिना आरोप लगाया है कि कुछ लोग यानी वकील 'अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों एवं व्यक्तिगत लाभों से प्रेरित होकर न्यायिक संस्था को कमजोर करने में लगे हैं'।

जस्टिस चंद्रचूड़ से ऐसे तत्वों के झांसे में न आकर न्यायिक गरिमा को अक्षुण्ण रखने का आह्वान किया गया है। इसी तरह की भाषा-शैली में आज से तीन हफ्ते पहले सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालयों के 600 अधिवक्ताओं, जिनमें हरीश साल्वे जैसे दिग्गज शामिल थे, ने जस्टिस चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखा था। इसमें भी न्यायपालिका के सामने आ रही वैसी ही कठिनाइयों का जिक्र किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी जड़ कांग्रेस की 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका बनाने की मानसिकता' में बताया था तो उजागर हुआ था कि पत्र का ताल्लुक कांग्रेसी विचारधारा के अधिवक्ताओं से है, जो पीठ या न्यायाधीशों पर मनमाफिक फैसले के लिए 'अनुचित दबाव और प्रभाव' डालते हैं। पत्र पर दस्तखत करने वाले जस्टिस ढींगरा ने एक इंटरव्यू में कपिल सिब्बल का नाम लेते हुए कहा है कि वे मामले में 'पैरवी के दौरान केस की मेरिट पर दलीलें न देकर कहने लगते हैं कि अगर इसे छोड़ा नहीं गया तो बवाल हो जाएगा' आदि। इसी समूह में प्रशांत भूषण और अभिषेक मनु सिंघवी के भी नाम हैं। और भी नाम हो सकते हैं। ये लोग पहले इजलास के अंदर और इसके बाहर इंटरव्यू एवं लेखों के जरिए उन फैसले को सरकार के दबाव में दिया बता कर उनकी अतार्किक आलोचनाएं करते हैं, जो उनके विरोध में आए होते हैं। इससे न्यायपालिका पर खामख्वाह दबाव बनता है। एक बार जस्टिस चेलमेर ने भी 'इन करोड़ी समूह के अधिवक्ताओं से दिक्कत' बताई थी। न्यायिक क्षेत्र-निचली से लेकर सर्वोच्च अदालत तक-में हाल के दशकों में यह एक फेनोमिना के रूप में विकसित हुआ है। इसमें मनचाही खंडपीठ के लिए तो पीठ बदलने के लिए जोर-जबर्दस्ती की जाती है। इस समस्या का समूचा हिस्सा न्यायालीय ही नहीं है। राजनीतिक विचारधारा और सबसे अधिक उसकी सत्ता भी है। दबावकारी प्रवृत्ति बढ़ी है तो इसकी वजह कुछेक न्यायाधीशों में सत्ता के नजदीक जाने की कमजोरी भी है। यह दबाव से काम करा ले जाने का साहस पैदा करता है।

आधी आबादी को साधना इतना आसान नहीं

सुनील दास

राजनीति में अक्सर होता यह है कि चुनाव में कोई मुद्दा काम कर जाता है और किसी राजनीतित दल या कुछ दलों को जीत मिल जाती है तो मान लिया जाता है कि चुनाव जीतने का रामबाण फार्मूला मिल गया है। सभी चुनाव में उसका उपयोग कर चुनाव जीत लेना चाहते हैं। महिलाओं का वोट हासिल कर लेना चाहते हैं। पर राजनीतिक दलों के लिए आधी आबादी का वोट हासिल करना अब इतना आसान नहीं रहा। कम से कम लोकसभा चुनाव में तो महिला वोटरों को साधना इतना आसान नहीं है। राज्य के चुनाव में महिलाओं को जरूर साधा जा सकता है, उनसे किए वादे पूरे किए जा सकते हैं क्योंकि राज्य में महिलाओं की संख्या कम होती है लेकिन लोकसभा चुनव में कोई महिलाओं को एक लाख रुपए साल का देने का वादा कर उम्मीद करे कि महिलाओं वोट दें देगी तो यह उसका वहम है। भाजपा ने छत्तीसगढ़ व मप्र में महिलाओं को महतारी वंदन योजना व लाडली बहना योजना से हारा हुआ चुनाव जीत लिया तो कांग्रेस को वहम हो गया कि वह लोकसबा चुनाव महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देकर चुनाव जीत सकती है।

कांग्रेस भूल गई कि राज्य मे महिलाओं की संख्या कम होती है और देश में ज्यादा होती है। राज्य की महिलाओं को तो चुनाव जीतने के लिए, पार्टी का अपना महिला वोट बैंक बनाने के लिए दस बीस लाख महिलाओं को पैसा दिया जा सकता है। लेकिन लोकसभा चुनाव में वादा करने का मतलब कि पांच से दस करोड़ महिलाओं को पैसा देना पड़ेगा। इतनी महिलाओं को एक लाख रुपए सालना देना का मतलब है कि बजट का एक बड़ा हिस्सा इसी में खर्च होना है। राहुल गांधी ने यह तो बताया कि महिलाओं को सालाना एक लाख रूपे देंगे लेकिन वह यह बताना तो भूल गए कि कितनी महिलाओं को देंगे। इसके लिए कितना पैसा लगेगा,यह पैसा कहां से आएगा। इसलिए इस योजना को लेकर देश व राज्य की महिलाओं में कोई उत्साह नहीं दिखता है। ऐसे राज्य में महिलाएं जहां उनको योजना का लाभ मिल रहा है,कांग्रेस की योजाना के लिए कोई उत्साह नहीं दिखा रही है। उन्हें महीना एक हजार व साल का 12 हजार रुपए मिल रहा है तो वह उसी खुश हां कि उन्हे राज्य में सराकर से मदद मिल तो रही है। फिर माहौल भी बना हुआ है कि देश में फिर से मोदी की सरकार आ रही है, इसलिए भी महिलाएं कांग्रेस के एक लाख सानाना वादे पर भरोसा नहीं कर रही हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोचा था कि वह भी एक लाख सालना योजना का फार्म भरवाएंगे तो महिलाओं की भीड़ लग जाएगी, कुछ ही दिनों में लाखों महिलाओं फार्म भरे देंगी व वोट दे देंगी। वैसा कुछ माहौल कांग्रेस कार्य्कर्ता नहीं बना पाए जैसा माहौल भाजपा कार्यकर्ताओं में विधानसभा चुनाव के समय बना दिया था। भाजपा कार्यकर्ता तो गाव गांव तक फार्म लेकर पहुंच गए थे और चुनाव के पहले ही लाखों फार्म भरवाकर माहौल बना दिया था। महिला वोटरों को भाजपा से जोड़ लिया और उसका फायदा भाजपा को विधानसभा चुनाव में हुआ। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के चुनाव हारते ही तथा केंद्र का चुनाव भाजपा जीत रही यह माहौल बनते ही कांग्रेस से पलायन का जो सिलसिला शुरू हुआ है, वह थमा नहीं है हजारों कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके है, इससे स्वाभाविक है कि कांग्रेस के पास नेताओं व कार्यकर्ताओं की कमी हो गई है। जो बचे हैं, वह विधानसभा चुनाव की हार से पस्त है तथा लोकसभा चुनाव में भी हार को देखते हुए निराश हताश हैं। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ती दिख नहीं रही है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में इन दिनों वही निराशा है जो 18 में चुनाव हारने के बाद भाजपा में थी। इस निराशा को कोई दूर नहीं कर पा रहा है, छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने कहा जरूर है कि चुनाव के दूसरे तीसरे चरण में भाजाप साउथ से साफ और नार्थ में हाफहो जाएगा। सचिन ने यह नेताओं व कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए यह कहा है लेकिन इससे कांग्रेस में उत्साह को कोई संचार शायद ही हो।सचिन को छत्तीसगढ़ का प्रबार संभाले कई माह हो गए है लेकिन वह पार्टी की मजबूती के लिए कुछ खास नहीं कर सके हैं। लोकसभा चुनाव हारने के बाद उनका हश्र भी वही होना है जो पुनिया व शैलजा का हुआ।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीय सहकारी समितियों को दुनिया भर में पहुंचाया जाए

जॉर्ज स्कारिया, अर्थशास्त्री

पिछले हफ्ते गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एमएमपीए) के साथ साझेदारी की घोषणा की, जिसके तहत ब्रांडेड अमूल दूध अमेरिका में हजारों लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा। यह कामयाबी कई कारणों से महत्वपूर्ण है। एक, अमूल के उत्पाद पहले से ही करीब 50 देशों में भले निर्यात किए जा रहे हैं, पर यह पहली बार है कि इसका ब्रांडेड ताजा दूध भारत के बाहर लॉन्च किया जा रहा है। दूसरा, यह कदम अभी अमेरिका तक सीमित है, लेकिन इसमें अन्य देशों में भी अमूल के लिए द्वार खोलने की क्षमता है। तीसरा, यह देश की दूसरी सहकारी समितियों के लिए वैश्विक स्तर पर विस्तार का आधार बनाता है। दरअसल, पिछले दो दशक में कॉरपोरेट भारत में अनेक वैश्विक कंपनियों का उदय हुआ है, पर सहकारी समितियों के मामले में ऐसा नहीं हो पाया। यह हालात बदलने का समय है।

सहकारी समिति कानून 25 मार्च, 1904 को बना था। 14 दिसंबर, 1946 को खेड़ा जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ, जिसे अमूल के नाम से जाना जाता है, पंजीकृत किया गया था। सन् 1947 में देश की आजादी के बाद सहकारी आंदोलन को बढ़ावा मिला और यह पंचवर्षीय योजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। अक्तूबर 1964 में आणंद, गुजरात की यात्रा पर दुग्ध सहकारी समितियों द्वारा लाए गए सामाजिक-आर्थिक बदलावों से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक राष्ट्रीय स्तर के संगठन राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की स्थापना की कल्पना की थी। पूरे देश में दुग्ध सहकारी समितियों की आणंद शैली को दोहराना था। गौरतलब है, 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद सहकारी समितियां दबाव में आ गईं। अंततः उन पर ज्यादा ध्यान देने के लिए जुलाई 2021 में कृषि मंत्रालय से अलग करके केंद्रीय सहकारी मंत्रालय बनाया गया। राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर करीब 30 करोड़ सदस्यों वाली 8,50,000 से अधिक सहकारी समितियां हैं, जो डेयरी, कृषि, ऋण, मत्स्य पालन, हथकरघा और चीनी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इनमें से दो, जीसीएमएमएफव इफको दुनिया की अग्रणी सहकारी समितियों में शुमार हैं। भारतीय सहकारी समितियों की वैश्विक पहुंच की क्या स्थिति है? जीसीएमएमएफ द्वारा अमेरिका में ताजा ब्रांडेड अमूल दूध पेश करने का कदम दूसरी भारतीय सहकारी समितियों को वैश्विक स्तर पर ले जाने का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। भारत की श्वेत क्रांति के जनक वर्गीज कुरियन के करिश्माई नेतृत्व ने अमूल की कामयाबी में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत को दूध की कमी वाले देश से दूध की अधिकता वाले देश में बदलकर उन्होंने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। वैश्विक दुग्ध उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत हो चुकी है। वैसे, मलयेशिया, न्यूजीलैंड, कनाडा और केन्या जैसे देशों में भी सहकारी समितियां खूब फली-फूली हैं, उनसे भी हमें सीखने की जरूरत है। संयोगवश, संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित कर रखा है, इसलिए भारत के सहकारी आंदोलन के वैश्वीकरण का एक विशेष संदर्भ बन जाता है।

न्यूजीलैंड में फोंटेरा (डेयरी के लिए), वॉलनट कोऑपरेटिव व जेस्प्री (कीवी फ्ल के लिए) जैसे मजबूत वैश्विक सहकारी संगठन हैं। ये सभी सहकारी संगठन बिजनेस एनजेड नामक एक व्यापक संगठन का हिस्सा हैं, जो अपने सदस्य संस्थानों को प्रशासन, विपणन, प्रौद्योगिकी सहायता और साझेदारी के लिए कार्यशालाओं व गतिविधियों के जरिये वैश्विक स्तर पर सहायता करता है। यह संगठन एक कार्यक्रम भी संचालित करता है, ताकि सहकारी संस्थाएं दीर्घायु हों। भारत इनसे सीख सकता है व साझेदारी कर सकता है। वैसे, वैश्विक पहुंच और मान्यता के लिए पूरे सहकारी क्षेत्र को विकसित करने की कोशिश के बजाय सरकार सर्वश्रेष्ठ सहकारी समितियों का चुनिंदा समूह बना सकती है। सार्वजनिक उद्यमों की नवरत्न अवधारणा की तरह वह वैश्विक भारतीय सहकारी समितियों के रूप में 10-12 राष्ट्रीय व राज्य सहकारी समितियों को चुन सकती है। हमारी सहकारी समितियों के वैश्वीकरण से रोजगार, धन सृजन और समग्र राष्ट्रीय विकास में मदद मिलेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कलेक्टर ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित सुविधा केन्द्र का किया अवलोकन

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित सुविधा केन्द्र का अवलोकन किया। उन्होंने डाक मतपत्र के माध्यम से निर्वाचन करा रहे मतदान अधिकारियों से मतदान के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मतदान करने आए कर्मचारियों से बातचीत भी की। निर्वाचन कार्य में लगे अनिवार्य सेवा मतदाताओं के लिए जिला कार्यालय में बने सुविधा केन्द्र में 22 अप्रैल से मतदान करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान 24 अप्रैल तक किया जाएगा। जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 22,23 एवं 24 अप्रैल 2024 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक जिला कार्यालय कलेक्टर परिसर राजनांदगांव कक्ष क्रमांक 51 में पुलिस, होमगार्ड एवं वन विभाग के सुरक्षा कर्मी, ड्राइवर, क्लीनर, एफ्एसटी, एसएसटी टीम एवं अन्य निर्वाचन कार्य में पदस्थ कर्मचारी तथा अनिवार्य सेवा मतदाता डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने के लिए सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। जिला कार्यालय में बने सुविधा केन्द्र में लोकसभा चुनाव के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया जा रहा है। लोकसभा निर्वाचन में निर्वाचन दायित्व से जुड़े मतदान दलों, सेक्टर आफिसर, एफएसटी, एसएसटी, वीएसटी और विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा गृह निर्वाचन क्षेत्र से दूर अन्य जिले में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए डाक मतपत्र के जरिए मतदान की सुविधा प्रदाय की गई है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी खेमलाल वर्मा उपस्थित थे।

संगवारी हेल्प डेस्क में महिला अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई

बालोद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के सुगम संचालन हेतु मतदान कर्मी कल्याण प्रबंधन के अंतर्गत सामग्री वितरण और वापसी केन्द्रों में महिला मतदान कर्मियों के आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता हेतु एवं स्वच्छ प्रसाधन, आवास, भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विधानसभावार संगवारी हेल्प डेस्क में महिला अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 59 संजारी बालोद के लिए सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग रितु खरे को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह सहयोगी अधिकारी के रूप में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उप अभियंता तृप्ति ठाकुर एवं प्रियंका ध्रुव तथा कृषि उपज मंडी बालोद के उप निरीक्षक श्रीमती कीर्ति धलेन्द्र की ड्यूटी सहयोगी अधिकारी के रूप में लगाई गई है। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 60 डौण्डीलोहारा के लिए नगर पंचायत गुरूर के उप अभियंता लक्ष्मी रात्रे को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा जल संसाधन विभाग मोंहदीपाट जलाशय के उप अभियंता स्वाति, जल संसाधन विभाग खरखरा जलाशय के उप अभियंता शारदा कुंजाम एवं कृषि उपज मण्डी बालोद के उप निरीक्षक दीपज्योति नेताम की ड्यूटी सहयोगी अधिकारी के रूप में लगाई गई है। इसके अलावा सृष्टि अग्निहोत्री तथा कृषि उपज मंडी बालोद के उप निरीक्षक सुश्री किरण ठाकुर की ड्यूटी सहयोगी अधिकारी के रूप में लगाई गई है।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने राजनीति को विकास में बदला : जेपी नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लोरमी में जनसभा को संबोधित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

लोरमी। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के मतदान के बाद चुनावी गर्मी बढ़ गई है। वहीं दूसरे चरण के मतदान से पहले भाजपा-कांग्रेस के दिग्गज नेता धुआंधार प्रचार प्रसार कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व स्टार प्रचारक जगतप्रकाश नड्डा सोमवार को बिलासपुर लोकसभा के लोरमी के दौरे पर आए और हाईस्कूल मैदान में भाजपा प्रत्याशी तोखन साहू के चुनाव प्रचार में शामिल हुए।

नड्डा ने नड्डा ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कार्यकर्ता समेत पदाधिकारियों में जोश भरा। जेपी नड्डा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मां कौशल्या की पूण्य भूमि में मुझे आने का सौभाग्य मिला है। मौसम खराब होने के बाद भी जो भीड़ आई है, उस उत्साह को मैं समझ सकता हूं। यहां की जनता ने तोखन साहू को लोकसभा भेजने की तैयारी कर ली है। आज हम सुशासन के काल में चल रहे हैं। वहीं जेपी नड्डा ने आगे कहा कि जम्मू कश्मीर में दो झंडे थे। जम्मू कश्मीर में दो विधान था। एक भारत का और दूसरा उनका अपना विधान था। अब सुशासन की सरकार चल रही है। एक देश में दो विधान नहीं चलेगा। जम्मू में दो झंडे थे, जम्मू में दो विधान थे, लेकिन मोदी के नेतृत्व में हमने धारा 370 को धराशाई कर दिया।

नड्डा ने आगे कहा कि राजनीति की संस्कृति बदल गई है। पहले कांग्रेस जाति और वोट बैंक की राजनीति करती थी, लेकिन मोदी ने यह नीति ही बदल डाली। मोदी के नेतृत्व में राजनीति का तौर तरीका बदला है। मोदी ने नारा दिया 'सबका साथ सबका विकास' और यही हो रहा है। आपने 2014 में मोदी जी को चुनाव जिताया। जो भारत देश पिछड़ रहा था, वो 5 साल के अंदर दुनिया के अग्रणी देशों में आकर खड़ा हो गया है। 1947 में देश विभाजन के बाद पाकिस्तान, अफ्गानिस्तान और बांग्लादेश में काफी लोगों को धार्मिक रूप से प्रताड़ित करके वहां से निकाला गया था। उनको नागरिकता देने की बात तो सभी करते थे, लेकिन नागरिकता देने की हिम्मत किसी में नहीं थी, क्योंकि सभी तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति में डूबे हुए थे।

मोदी जी को आपने ताकत दी, उन्होंने CAA लागू किया और जो लोग भारत में आए थे, उन्हें नागरिकता देने का काम किया गया। हमारे प्रधानमंत्री जी ने 2014 में कहा था कि मेरी सरकार गरीब, गांव, वंचित, दलित, महिला सशक्तिकरण, किसान और युवाओं के लिए समर्पित है। आज गांवों का सर्वांगीण विकास हुआ है। आज मोदी जी के नेतृत्व में 4 करोड़ पक्के घर बनकर तैयार हुए हैं। ये मकान सभी सुविधाओं से युक्त हैं। आप एक बार फिर मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाएंगे और हम 5 साल में 3 करोड़ घर और बनाएंगे। आज मोदी जी के नेतृत्व भारत 11वें स्थान से छलांग लगाकर विश्व में 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है। अब मोदी जी को आप तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएंगे और 2 साल के अंदर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। कांग्रेस पार्टी सदैव राम विरोधी और सनातन विरोधी रही है। UPA की मनमोहन सिंह सरकार के समय, इन्होंने कोर्ट में एफिडेविट दिया था कि राम काल्पनिक है और उनका कोई ऐतिहासिक वजूद नहीं है। अब न्यास ने उनको मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया, लेकिन उन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का न्योता ठुकरा दिया।

मतदान सबसे महत्वपूर्ण अधिकार, मतदाता इसकी ताकत को पहचानें : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक शासकीय वल्लभाचार्य महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता युवा सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल हुए। कलेक्टर मलिक ने विद्यार्थियों द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए बनाए गए रंगोली, पेंटिंग का अवलोकन किया तथा सराहना की। कार्यक्रम में महासमुंद विकासखंड के कॉलेजों के छात्र-छात्राओं द्वारा लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका पर अपने-अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में कलेक्टर मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान हमारा संवैधानिक अधिकार है, इससे हमारा और देश का भविष्य निर्धारित होता है। हमें सशक्त और मजबूत लोकतंत्र के लिए सोच समझकर योग्य अभ्यर्थी को मतदान करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी युवा मतदाता दृढ़ संकल्पित होकर शतप्रतिशत मतदान कर जिले का लक्ष्य को हासिल करने में अपना योगदान दें। कलेक्टर ने कहा कि आकड़ों से पता चलता है की ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम होता है। महासमुंद नगरीय क्षेत्र का मतदान प्रतिशत को कम देखते हुए नगरीय क्षेत्र में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम पर ज्यादा फोकस किया गया है। कलेक्टर मलिक ने कहा कि लोकतंत्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। खासकर स्कूल की पढ़ाई पूरी कर कॉलेज पहुंचने वाले विद्यार्थी स्वयं जागरूक बनकर अनिवार्य रूप से मतदान करें और अपने आसपास दूसरों को भी प्रेरित कर जागरूक मतदाता बनने योगदान दें। लोकतंत्र में मतदान का महत्व समझना और दूसरों को समझाना एक महत्वपूर्ण विषय है।

कलेक्टर मलिक ने बीएलओ, स्वच्छता दीदीयों को अपने अपने क्षेत्र में जाकर अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने को कहा। इस दौरान सभी को मतदान की शपथ दिलाई गई।साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो को अपने आस-पास के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने को कहा गया।

डाक मतपत्र से मतदान करने की तिथि निर्धारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत निर्वाचन कर्तव्य पर तैनात सभी अधिकारी व कर्मचारियों के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने हेतु सुविधा केंद्र की स्थापना की गई है। तथा अनुपस्थित श्रेणी मतदाताओं हेतु मतदान तिथि नियत किया गया है। जिसके तहत अनुपस्थित श्रेणी (85 वर्ष से अधिक एवं दिव्यांग ऐसे मतदाता जिन्होंने होम वोटिंग का विकल्प चयन कर प्रारूप 12 डी का आवेदन किया हो) मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराये जाने के लिए प्रथम चरण 01 मई एवं द्वितीय चरण 03 मई को विधानसभा वार मतदाताओं के निवास स्थान पर मतदान करने के लिए सुविधा बनाया गया है। इसी प्रकार ड्यूटी में तैनात रहने वाले सुरक्षा बल, नगर सेनानी एवं अन्य मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराये जाने के लिए 04 से 06 मई तक विधानसभा वार संयुक्त जिला कार्यालय सूरजपुर, आवक-जावक शाखा (कक्ष क्र. ए-6/5) प्रथम कक्ष में सुविधा केंद्र बनाया गया है।

सभी राजनीतिक दल भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप करें कार्य: सौरभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जांजगीर-चांपा क्षेत्र लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक सौरभ स्वामी, व्यय प्रेक्षक पवन कुमार एवं कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा ने आज कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। इस दौरान अपर कलेक्टर एस पी वैद्य, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल कुमार रावटे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी निशा नेताम मड़ावी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सामान्य प्रेक्षक ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आवश्यक व्यवस्था की गई है। डाक मतपत्र के माध्यम से 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के चिन्हांकित वृद्धजन एवं दिव्यांगजनों के डाक मत पत्र के माध्यम से मतदान करने के दौरान सूचना दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर सी-विजिल एप या कन्ट्रोल रूम में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। राज्य एवं जिला स्तर पर मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति राजनैतिक विज्ञापनों का प्रमाणन करेंगी। लोकसभा स्तर पर भी एमसीएमसी कमेटी गठित की गई है। मतदान समाप्ति के समय से 48 घंटे पूर्व की अवधि में प्रकाशित किये जाने वाले विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन आवश्यक है।

इस दौरान सी-विजिल, वोटर हेल्पलाइन, सुविधा एवं अन्य आवश्यक पोर्टल के संबंध में जानकारी दी गई। व्यय प्रेक्षक ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अभ्यर्थी 95 लाख रुपए से अधिक व्यय नहीं कर सकते हैं। इस दौरान खाते के सत्य प्रतिलिपि को भी प्रस्तुत करना है। लेखा पंजी की जांच अभ्यर्थी को लेखा दल से कराना है।

कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में चलाया जा रहा विशेष स्वीप अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम राजनांदगांव जिले में कई हफ्तों से जारी है। जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप नोडल सुरूचि सिंह के निर्देशन में कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में विशेष स्वीप अभियान चलाकार मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। विशेष स्वीप अभियान के तहत आज राजनांदगांव शहर के कौरिनभाठा, लखोली और चिखली में स्वीप स्क्वाड द्वारा स्वीप संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही नगर पंचायत डोंगरगांव के कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में भी स्वच्छता दीदियों द्वारा स्वीप संगोष्ठी एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह ने बताया कि कम मतदान वाले क्षेत्रों में कम मतदान होने के कारणों का विश्लेषण किया गया है। विश्लेषण के बाद संबंधित जनपद सीईओ और सीएमओ से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में सुझाव लिए गए।

कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विशेष स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रमों में स्वीप स्क्वाड द्वारा मतदाताओं को मतदान के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। साथ ही लोकतंत्र में मतदान के महत्व को समझाया जा रहा है और मतदान दिवस 26 अप्रैल 2024 को मतदान केन्द्र पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान मतदाता शपथ भी दिलाई जा रही है। स्वीप स्क्वाड में जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर निगम के अधिकारी शामिल है। कार्यक्रम में सीएमओ डोंगरगांव, एबीईओ रश्मि ठाकुर का भी सहयोग रहा।

होम वोटिंग के लिए मतदान अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

चिन्हांकित 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाता होम वोटिंग के जरिए करेंगे मतदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में जिले के 85 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्ग तथा 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को होम वोटिंग कराने के लिए कोरबा जिले हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक प्रेम सिंह मीणा की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सेक्टर ऑफिसर्स एवं मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित हुआ।

इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत, सीईओ जिला पंचायत संबित मिश्रा, सभी रिटर्निंग अधिकारी विभिन्न विभागों के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सामान्य प्रेक्षक श्री मीणा ने सभी सेक्टर अधिकारियों एवं मतदान दल के अधिकारियों को प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने एवं मतदान की गोपनीयता सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने मतदान दलों को प्रशिक्षण का लाभ उठाने की बात कही। अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करने एवं किसी प्रकार की संशय में नही रहने के लिए कहा। कलेक्टर ने विभिन्न पपत्रो की उपयोगिता को समझ कर उन्हें भरने की पूरी जानकारी प्राप्त कर कुशलता पूर्वक होम वोटिंग पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स डॉ एम एम जोशी ने होम वोटिंग के लिए गठित दल के अधिकारी कर्मचारियों को विभिन्न प्रपत्रों को भरने एवं उपयोगिता की बारे में बताते हुए होम वोटिंग की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मतदान दल चिन्हांकित मतदाताओं के घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कराएंगे। मतदाता का परिचय पत्र एपिक कार्ड या अन्य वैकल्पिक दस्तावेज के द्वारा पहचान सुनिश्चित कर मतदाता को मतदान प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी जाएगी। मतदाता अपने पसंद के अभ्यर्थी के सामने निशान लगाकर मतदान करेगा। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर डॉ जोशी द्वारा सभी के शंकाओं का समाधान भी किया गया।

गौरतलब है कि जिले में होम वोटिंग हेतु कुल 132 लोगों से आवेदन प्राप्त हुआ है। जिनके मतदान के लिए 14 मतदान दलों की नियुक्ति की गई है एवं 3 दल रिजर्व रखे गए है। उन्होंने बताया कि मतदान दलों द्वारा प्रारूप 12 घ में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग एवं दिव्यांग श्रेणी के मतदाताओं के घर पर जाकर 30 अप्रैल एवं 01 मई 2024 को होम वोटिंग कराई जाएगी। प्रत्येक दल में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी क्रमांक 1, माइक्रो ऑब्जर्वर, पुलिसकर्मी एवं वीडियोग्राफर होंगे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

आईएएस सोनमणि बोरा को मिली नई जिम्मेदारी

रायपुर (ए.)। राज्य सरकार ने सोमवार को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से हाल ही में लौटे 1999 बैच के आईएएस सोनमणि बोरा को नई पोस्टिंग दी है। सरकार ने उन्हें आदिम जाति, अनुसूचित जाति विकास विभाग, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक विकास विभाग का प्रमुख सचिव बनाया है। छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस सोनमणि बोरा केंद्र में वर्ष 2019 से लैंड मैनेजमेंट जॉइंट सेक्रेटरी थे। उनके लौटने से अब राज्य में दो प्रमुख सचिव हो गए हैं। सोनमणि बोरा असम राज्य के रहने वाले हैं। वे छत्तीसगढ़ कैडर के 1999 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वे राज्य के कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवा दे चुके हैं। श्री बोरा ने जब सर्विस ज्वाइन की थी तब छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश का हिस्सा हुआ करता था। राज्य बनने के बाद उन्हें दुर्ग जिले में पहली पोस्टिंग मिली थी।

रक्तदान शिविर का आयोजन कल

रायपुर (ए.)। निरंकारी मिशन ने 24 अप्रैल को मानव एकता दिवस का आयोजन किया है। यह दिन युग प्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह के परोपकारी जीवन एवं उनकी लोक कल्याण की भावना को समर्पित है। इस कार्यक्रम में मिशन के भक्त बाबा गुरबचन सिंह एवं प्रताप सिंह को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे और उनके महान जीवन से प्रेरणा लेते हुए सत्गुरु के अमोलक वचन भी श्रवण करेंगे। संत निरंकारी मंडल के सचिव एवं समाज कल्याण विभाग के प्रभारी जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जो लाखेनगर में होगा। रायपुर इकाई के जोनल इंचार्ज गुरबक्श सिंह कालरा ने बताया कि रायपुर में सबेरे 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक शिविर चलेगा। जिसमें मॉडल ब्लड बैंक मेकाहारा की टीम आयेगी। इसके अतिरिक्त सभी स्थानों पर सत्संग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा। मीडिया प्रभारी प्रेम सिंह धमी ने ये जानकारी दी।

हनुमान जन्मोत्सव पर महाआरती आज

रायपुर (ए.)। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव पर 23 अप्रैल को राठौर चौक स्थित मनोकामना सिद्ध हनुमान मंदिर में संध्या 6 बजे महाआरती व पूजन किया जाएगा। जन्मोत्सव के तहत प्रात: 6 बजे दुग्धाभिषेक, श्रृंगार व पूरे मंदिर को पुष्पों से सजाया जाएगा। राजनांदगांव के हरीसत्संग मंडल द्वारा भजन प्रस्तुति दी जायेगी।

मतदाता जागरूकता: महिलाओं ने थामी कमान

जज्बा, उत्साह और एक स्वर में हर वर्ग को मतदान करने की अपील

रायपुर (ए.)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता के लिए महिलाओं की कार रैली में उनका जज्बा और जोश देखते ही बन रहा था। महिलाएं खुद कार की स्टेरिंग थामकर रैली में निकली। सबसे आकर्षण खुली जीप में महिलाओं के द्वारा मतदाता जागरूकता का स्लोगन और विभिन्न तरह के नवाचारी से मतदाता जागरूकता का कार्य किया गया। इस कार रैली में कई समूह की महिलाएं शामिल हुई और एक स्वर में मतदाता जागरूकता के नारे लगाते हुए मतदान का संदेश दिया। स्वीप के इस नवाचारी कार्य के लिए जिला प्रशासन को कार रैली में शामिल हुई महिलाओं ने धन्यवाद दिया और सराहना भी की।

मजबूत लोकतंत्र के लिए हर वर्ग को मतदान जरूरी

रायपुर की श्रीमती प्रियंका मिश्रा गृहणी है। मतदाता जागरूकता के लिए रैली में शामिल श्रीमती मिश्रा बताती हैं कि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में मतदान सबसे आवश्यक है। अधिक से अधिक मतदान से लोकतंत्र मजबूत होगा। 18 की उम्र से अधिक के युवाओं और बुजुर्गों भी अपील है कि 7 मई को मतदान के लिए अवश्य मतदान केंद्र जाएं और मजबूत लोकतंत्र बनाने में सहभागी बनें।

महिलाओं की बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर की श्रीमती शारदा सिंह ने महिलाओं के द्वारा निकाली गई कार रैली को महत्वपूर्ण बताते हुए कहती हैं कि लोकतंत्र के पर्व के लिए एक दिन समय निकालकर अवश्य मतदान करें। महिलाओं की जिम्मेदारी बड़ी होती है और महिलाएं बढ़-चढ़कर मतदान का हिस्सा बनें और कार रैली जैसे आयोजन के लिए जिला प्रशासन का बहुत-बहुत धन्यवाद। यह नवाचार आयोजन काफी सफल रहा।

सभी धर्म लोकतंत्र के पर्व में निभाए सहभागिता

रायपुर की श्रीमती इंदिरा गांधी कहती है कि जिला प्रशासन ने मतदाता जागरूकता के लिए भव्य कार रैली का आयोजन किया। हमने कार रैली में अलग-अलग धर्म के लोगों को लोकतंत्र के पर्व में सहभागिता निभाने का संदेश दिया। कार रैली में विभिन्न प्रकार से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। जोश, उत्साह के साथ मतदाता जागरूकता के लिए कार रैली निकाली गई। इसके लिए प्रशासन का बहुत-बहुत धन्यवाद करते है। ऐसे आयोजन से मतदाताओं में जागरूकता भी आएगी और शत-प्रतिशत मतदान की उम्मीद भी है।

मतदाता जागरूकता के लिए आकर्षक साज-सज्जा

छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार ऋचा शर्मा ने अपनी कार को काफी आकर्षक साज सज्जा के साथ रैली में शामिल हुई। उन्होंने मतदान के प्रति जागरूकता हेतु अपनी सहभागिता निभाई।

बच्चे को लेकर आई महिला

सरोना निवासी श्रीमती शिवानी तिवारी में अपने चार माह का नवजात शिशु को लेकर रैली में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि जब मैं अपने चार माह बेटे के साथ मतदाता जागरूकता के लिए आगे आ सकती हूं तो हर कोई मतदान केंद्र में पहुंचकर अवश्य मतदान कर सकते है।

मतदान के जरूरतों को रैली में बताया

अवंति विहार निवासी डॉ. अनामिका सिंह स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अनामिका 2023 में मिसेज इंडिया मेडिकोदिवा रह चुकीं हैं। इन्होंने 2023 में दुबई में आयोजित कॉस्मिक यूनिवर्स में फेस ऑफ इंडिया का अवार्ड प्राप्त की हैं। स्त्रीरोग विशेषज्ञ में इनका जाना पहचाना नाम हैं। इन्होंने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता जागरूकता के लिए महिला स्वीप कार रैली में अपनी सहभागिता निभाई। इन्होंने अपनी कार में सभी तरफस्लोगन जैसे की मेरा वोट मेरी आवाज राष्ट्र वाद, संस्कृति, सुरक्षा, विकास, चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण संदेश लिखे हुए थे।

पाईप लाईन में लीकेज की समस्या हुई दूर, नलों में आया भरपूर पानी

रायपुर (ए.)। नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर नलों से पतली धार वाली जगहों की जांच की गई। वहां के नलों में मोटी धार पाई गई।

निगम के अमृत मिशन के कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा ने बताया कि सुंदर नगर के एकता परिसर क्षेत्र में नलों से पतली धार आने की शिकायतें मिल रही थी। ये क्षेत्र डंगनिया टंकी से जुड़ा हुआ है। क्षेत्र में पाईप लाईन खोलकर जांच करने पर कचरा फंसा पाया गया। इसी वजह से नलों में पतली धार आ रहा था। कचरे को हटाने के बाद आज शाम नल के खुलने के समय एकता परिसर के घरों में जाकर निरीक्षण किया गया। वहां भरपूर मात्रा में पानी आने लगा है। इसी तरह लिली चौक के गली में भी पानी को लेकर दिक्कत थी। उसे भी दूर कर आज निरीक्षण किया गया। प्रगति कॉलेज क्षेत्र में भी अमृत मिशन की बिछी पाईप लाईन क्षेत्र में लीकेज की समस्या थी। जिसे दूर कर लिया गया है। उसका भी आज निरीक्षण किया गया।

राहत दिलाने राजधानी में बरसे बादल

रायपुर (ए.)। तेजी से बढ़ती गर्मी के चलते लोग परेशान होने लगे हैं। प्रदेश में तापमान 40 डिग्री के पार जाने लगा है। दोपहर में तो लू जैसे हालत होने लगे हैं। इसी बीच मौसम ने प्रदेश वासियों को थोड़ी राहत दी है। पिछले एक-दो दिनों से हल्की बदली के बाद सोमवार देर शाम तेज हवाओं के गरज-चमक साथ बारिश शुरू हो गई। इस बारिश के कारण तापमान में थोड़ी गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी तूफ़ान के साथ भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

सीधे पीएचडी में दाखिला व यूजीसी नेट के लिए कर सकेंगे आवेदन

रायपुर (ए.)। चार वर्षीय स्नातक कोर्स कर रहे या फिर करने जा रहे विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। अब वह इस कोर्स को करने के बाद सीधे पीएचडी में दाखिला और यूजीसी नेट के लिए आवेदन भी कर सकेंगे। उन्हें इसके लिए अब परास्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट) करने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि पीएचडी में दाखिले के लिए उन्हें चार वर्षीय स्नातक कोर्स में कम से कम 75 प्रतिशत अंक या फिर उसके समकक्ष ग्रेड हासिल करना होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत शुरू किए गए चार वर्षीय स्नातक कोर्सों की ओर विद्यार्थियों के रुझान को बढ़ाने के लिए यह अहम कदम उठाए हैं। यूजीसी के अनुसार, यह व्यवस्था इसी वर्ष से लागू हो जाएगी। इस दौरान एससी, एसटी, ओबीसी (नान-क्रीमी लेयर), दिव्यांगजनों और ईडब्ल्यूएस विद्यार्थियों को पीएचडी के दाखिले में पांच प्रतिशत या उसके समकक्ष ग्रेड की छूट भी मिलेगी। इसके साथ चार वर्षीय स्नातक कोर्स करने वाले छात्र अब सीधे यूजीसी नेट के लिए भी आवेदन कर सकेंगे। इनमें ऐसे छात्र भी आवेदन कर सकेंगे जोकि चार वर्षीय स्नातक कोर्स के अंतिम वर्ष में होंगे।

पृथ्वी को सुरक्षित बनाए रखने के लिए लोगों को दिया संदेश

कैडेट्स ने स्लोगन व नारों के साथ निकाली रैली

रायपुर (ए.)। आज विश्व अर्थ दिवस पर एनसीसी एयर विंग के लगभग 60 कैडेट्स, जिसमें दुर्गा महाविद्यालय रायपुर के 30 विज्ञान महाविद्यालय के 15 और शासकीय कन्या महाविद्यालय देवेंद्र नगर के 15 कैडेट्स शामिल रहे। पृथ्वी को सुरक्षित बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के स्लोगन एवं नारे के पोस्टर के साथ सभी कैडेट्स ने सुंदर नगर क्षेत्र में रैली निकाल कर लोगों को संदेश दिया। साथ ही साथ छात्राओं ने सुंदर नगर चौराहे पर प्रकृति, भूमि, एवं पूरी पृथ्वी एवं वातावरण को स्वच्छ सुंदर बनाए रखने के लिए एक नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी, जिसमें नदियों का प्रदूषित होना दर्शाया गया, साथ ही साथ पॉलिथीन एवं प्लास्टिक के बढ़ते हुए उपयोग के कारण उत्पन्न हुई समस्याओं से कैसे निजात पाए, इसका प्रदर्शन किया गया।

ज्ञात हो कि बढ़ते प्लास्टिक के उपयोग के कारण प्रकृति, वातावरण में प्रदूषण बड़ी मात्रा में फैल रहा है। अर्थ डे मनाने के साथ लोंगो को जागरूक करके वर्ष 2040 तक प्लास्टिक के उपयोग को 60 फीसदी तक काम करने का उद्देश्य रखा गया है। 3 छत्तीसगढ़ एयर एन सी सी इकाई के कमान अधिकारी के निर्देशन एवम नेतृत्व में यह रैली एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर स्क्वाड्रन लीडर डा. विजय कुमार चौबे तथा एन सी सी इकाई के प्रशिक्षक स्टाफ उपरोक्त आयोजन में शामिल रहे।

प्रोफाइलेक्सिस थेरेपी एवं होम थेरेपी से विकलांगता को किया जा सकता है कम

हीमोफिलिया के उपचार के लिए जीन थैरेपी कारगर

रायपुर (ए.)। हीमोफिलिया रक्त की एक दुर्लभ अनुवांशिक बीमारी है, जिसमें रक्त के थक्का जमने में आवश्यक फेक्टर 8 या फेक्टर 9 की कमी होती है, जिससे रक्त का थक्का नहीं बन पाता। इस कारण बार-बार रक्तस्त्राव होने लगता है। विभिन्न जोड़ों में रक्तस्त्राव के कारण विकृति और विकलांगता निर्मित होती है और आंतरिक महत्वपूर्ण अंगो में रक्तस्त्राव मृत्यु के कारण भी बनते हैं। उक्त हीमोफिलिया बीमारी के विभिन्न चिकित्सकीय पहलुओं पर जानकारी हेतु पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के पैथालॉजी और मेडिसीन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वल्ड हीमोफिलिया डे का आयोजन किया गया।

आयोजन अध्यक्ष डॉ. अरविन्द नेरल प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष पैथालॉजी ने अपने स्वागत उद्बोधन में हीमोफिलिया बीमारी के चिकित्सकीय, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुये इस संगोष्ठी के औचित्य और उपयोगिता का उल्लेख किया। बाल्को मेडिकल सेंटर के हिमेटोलॉजिस्ट डॉ. दिब्येन्दू डे ने अपने व्याख्यान में हीमोफिलिया बीमारी के पहचान के लक्षण, रक्त परीक्षण एवं ईलाज के लिए ऑन डिमांड और बचाव के लिये फेक्टर 08 और फेक्टर 09 कितनी मात्रा और कितने अंतराल में दिये जाना है, इसकी विस्तृत विवेचना की। उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण में छत्तीसगढ़ राज्य में हीमोफिलिया रोगियों की स्थिति पर भी चर्चा की। उन्होनें इसके नये उपचार जिसमें जीन थेरेपी प्रमुख है, के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इसके बेहतर परिणाम मिल सकते हैं एवं मरीजों के लिये अच्छे, स्वस्थ और लंबे जीवन हेतु आशा की किरण नजर आती है। हीमोफिलिया मरीजों के लिए प्रोफाइलेक्सिस थेरेपी एवं होम थेरेपी से उनकी विकलांगता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्वाति शर्मा ने किया।

इस संगोष्ठी में पैथालॉजी एवं मेडिसीन विभाग के वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षक डॉ. चन्द्रकला जोशी, डॉ. वर्षा पाण्डेय, डॉ. अमित भारद्वाज, डॉ. वनिता भास्कर, डॉ. विकास बाम्बेश्वर, डॉ. रीति शर्मा, डॉ. रूचि वर्मा, डॉ. कस्तूरी मंगरूलकर, डॉ. हिमेश्वरी वर्मा, डॉ. अंकित शर्मा, डॉ. निलय, डॉ. सरोज, डॉ. पुष्कर, डॉ. मेघा एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भी अपनी भागीदारी दी। आयोजन सचिव प्रोफेसर डॉ. देवप्रिय लकरा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। साथ ही उन्होनें छत्तीसगढ में हीमोफिलिया मरीजों की वर्तमान स्थिति में सुधार हेतु त्वरित जांच एवं उपचार के लिए हीमोफिलिया क्लीनिक बनाने का सुझाव दिया।

गलत दिशा में चलने वाले हो जाएं सावधान...?

रायपुर (ए.)। शहर के चौक-चौराहों पर रांग साइड पर चलने वाले वाहन चालकों को रोकने यातायात पुलिस की ओर से सडक़ों पर टायर किलर लगाया गया है । लगभग 90 दिनों बाद इसकी हालत ऐसी हो गई है। वहां से गुजने वाले वाहन चालक जुगाड़ लगाकर रांग साइड चलने से परहेज नहीं करते। कहीं-कहीं तो असामाजिक तत्वों द्वारा टायर किलर को तोडफोड़ किया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

नायरा बनर्जी बिग बॉस ओटीटी 3 में बिखेरेंगी हुस्न का जलवा

सलमान खान के शो बिग बॉस ओटीटी 3 में जाने वाले कंटेस्टेंट के नाम लगातार सामने आ रहे हैं। मेकर्स एक से बढ़कर एक सेलेब्स को शो में आने के लिए अप्रोच कर रहे हैं। अभी तक बिग बॉस ओटीटी 3 में धमाका करने के लिए अभी तक शहजादा धामी, प्रतीक्षा होनमुखे, सना सईद, विकास जैन के नाम सामने आ रहे हैं।

हालांकि, अभी तक किसी भी सेलिब्रिटी के शो में जाने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी तरह अब नायरा बनर्जी, जिन्हें आखिरी बार रोहित शेट्टी की खतरों के खिलाड़ी 13 में देखा गया था, के रियलिटी शो में जाने की अटकलें हैं। अच्छी बात ये है कि नायरा ने शो में जाने की अफवाहों पर रिएक्ट करते हुए चुप्पी तोड़ी है।

बिग बॉस ओटीटी 3 में अपनी जाने की अफवाहों पर रिएक्ट करते हुए, नायरा बनर्जी ने बताया कि वह सलमान खान द्वारा होस्ट किये जाने वाला शो वह नहीं कर रही हैं। नायरा ने कहा कि उनसे हर साल बिग बॉस के लिए संपर्क किया जाता है। यहां तक कि बिग बॉस ओटीटी 3 के लिए भी मेकर्स ने उनसे संपर्क किया, लेकिन हमेशा की तरह उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह रियलिटी शो करने के मूड में नहीं हैं।

बता दें कि ये सिर्फ नायरा बनर्जी नहीं है, जिन्होंने सलमान खान के शो को मना कर दिया है। इससे पहले भी मिश्कत वर्मा, गशमीर महाजनी और कई सेलेब्स ने खुले तौर पर कहा हैं कि वह इस शो के लिए नहीं बने हैं और इसलिए वे इसमें हिस्सा नहीं लेना चाहेंगे। नायरा बनर्जी की बात करें तो एक्ट्रेस हाल ही में टीवी एक्ट्रेस निशांत मलखानी के साथ अपने ब्रेकअप को लेकर खबरों में थीं। हालांकि नायरा और निशांत ने कभी भी रिश्ते में होने की बात स्वीकार नहीं की है और हमेशा कहा है कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन ऐसी अफवाहें थीं कि दोनों कुछ सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। वहीं कुछ हफ्ते पहले ये खबर आई थी कि दोनों ने अलग होने का फैसला किया है।

पृथ्वीराज की द गोट लाइफ ने दुनिया में मचा दिया तहलका

फिल्म ने मारी 150 करोड़ क्लब में धांसू एंट्री

मलयालम उद्योग इस साल शानदार प्रदर्शन कर रहा है। कई ब्लॉक बस्टर फिल्मों के 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद, पृथ्वीराज सुकुमारन की नवीनतम सर्वाइवल थ्रिलर आदुजीविथम: द गोट लाइफ ने दुनिया भर में 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ब्लेसी द्वारा निर्देशित, यह मनोरंजक फिल्म बेन्यामिन के 2008 के सबसे ज्यादा बिकने वाले मलयालम उपन्यास आदुजीविथम पर आधारित है।

ब्लॉकबस्टर पुलीमुरुगन को पीछे छोड़ते हुए, अब तक की तीसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली मलयालम फिल्म के रूप में उभरने के बाद, आदुजीविथम ने अपना विजयी प्रदर्शन जारी रखा। महज 25 दिनों में फिल्म ने दुनिया भर में 150 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली। यह उपलब्धि इसे मंजुम्मेल बॉयज़ और 2018 जैसी अन्य मॉलीवुड हिट फिल्मों के साथ रखती है, जो दुनिया भर में क्रमश: 235+ करोड़ और 180 करोड़ की कमाई के साथ समान मील के पत्थर तक पहुंची।

आदुजीविथम: द गोट लाइफ एक मलयाली आप्रवासी मजदूर नजीब की सच्ची कहानी से प्रेरणा लेती है, जिसने सऊदी अरब में अकल्पनीय कठिनाइयों का सामना किया था। हजारों भारतीयों को देशी अरबों द्वारा रेगिस्तान में एकांत खेतों में चरवाहों के रूप में गुलामी के लिए मजबूर किया गया था। फिल्म में दिखाया गया है नजीब के अस्तित्व, लचीलेपन और अंतत: मुक्ति के संघर्ष पर प्रकाश। मुख्य भूमिका में पृथ्वीराज सुकुमारन एक शक्तिशाली प्रदर्शन करते हैं जो दर्शकों को पसंद आता है। नजीब का उनका चित्रण एक प्रतिकूल वातावरण में फंसे एक व्यक्ति की हताशा, साहस और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। निर्देशक ब्लेसी की उनके द्वारा चुनी गई कहानी के प्रति प्रतिबद्धता और एआर रहमान की संगीत प्रतिभा ने मिलकर एक सम्मोहक कथा प्रदान की।

प्रभास की कल्कि 2898 एडी से रिलीज हुआ अमिताभ बच्चन का नया पोस्टर

पिछले साल बॉलीवुड के शहनशाह के उनके जन्मदिन पर मोस्ट अवेटेड साइंस-फिक्शन महाकाव्य 'कल्कि 2898 एडी' से अमिताभ बच्चन का पहला लुक रिलीज किया था। जिसके बाद से, फैंस को फिल्म में एक्टर के लुक और चरित्र के बारे में अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार है। उत्साह को बढ़ाते हुए, हाल ही में मेकर्स ने मेगास्टार के एक नए पोस्टर को रिलीज किया हैं।

नए पोस्टर को रिलीज करते हुए, 'कल्कि 2898 एडी' की टीम ने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कैप्शन दिया, समय आ गया है कि पता चले कि वह कौन है!

सफ़ेद पोशाक पहने, अमिताभ बच्चन को एक मंदिर के अंदर बैठे, रहस्यमय ढंग से प्रकाश की चमकदार किरण की ओर देखते हुए देखा जा सकता है। जल्द ही एक बड़ी घोषणा की उम्मीद जताते हुए, पोस्टर पर लिखा है, समय आ गया है।

साझा किए गए पोस्टर में उनका चेहरा और माथा एक पट्टी जैसी चीज से ढका हुआ है। साइंस-फिक्शन फिल्म को नाग अश्विन ने डायरेक्ट किया है, जो 'येवड़े सुब्रमण्यम' और 'महानती' जैसे अपने निर्देशन कार्यों के लिए जाने जाते हैं।

फिल्म को भविष्य में पौराणिक कथाओं से प्रेरित विज्ञान-फाई असाधारण फिल्म माना जा रहा है। फिल्म के लिए सभी उत्साह के बीच, एक नए अपडेट से पता चलता है कि मेकर्स एक बड़ी घोषणा की योजना बना रहे हैं।

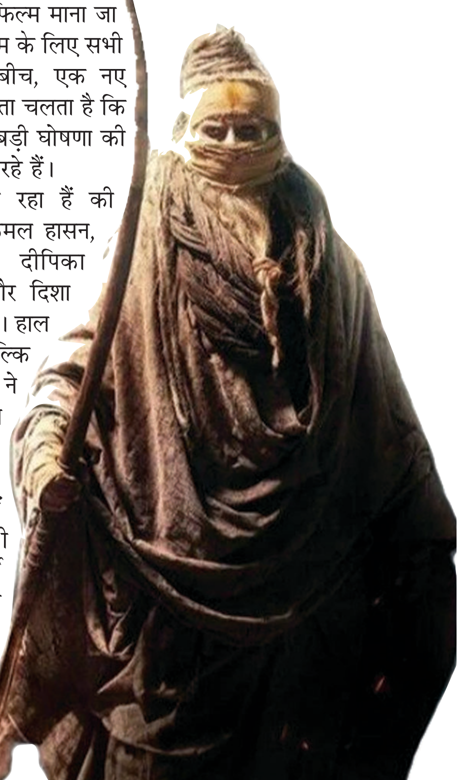

कहा जा रहा हैं की फिल्म में कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी भी हैं। हाल ही में, 'कल्कि 2898 एडी' ने पिछले साल सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में अपनी अभूतपूर्व शुरुआत के बाद बड़े पैमाने पर वैश्विक प्रशंसा अर्जित की।

पाकिस्तान की 'डिंपल गर्ल' हानिया आमिर पर फिदा हुए बादशाह!

सिंगर बादशाह इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सूर्खियां बटोर रहे हैं। जिसकी वजह पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर हैं। कहा जा रहा है कि, बादशाह और हानिया एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि कितना सच है ये तो वक्त ही बताएगा, लेकिन इस अदाकारा की खूबसूरती के भारतीय फैंस भी दीवाने हैं।

बॉलीवुड रैपर बादशाह का नाम पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर से जुड़ने पर हर तरफ चर्चा हो रही है। हानिया का सोशल मीडिया पोस्ट देखने के बाद सभी के मन में यही सवाल है कि क्या दोनों के बीच कुछ चल रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि एक्ट्रेस पहले भी बादशाह के साथ पोस्ट शेयर कर चुकी है। हालांकि ये दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं या फिर डेट कर रहे हैं इसको लेकर अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है।

इस बीच 'मेरे हमसफर' फेम एक्ट्रेस हानिया आमिर की बात करें तो वो अपनी सादगी और क्यूटनेस से पाकिस्तान की एक्टिंग इंडस्ट्री में सबसे अलग पहचान रखती हैं। यही वजह है कि भारत में भी उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। यहां तक कि उन्हें नेशनल क्रश भी कहा जाता है। हानिया की सिर्फ खूबसूरती ही नहीं बल्कि फैशन सेंस की भी चर्चा होती है। जिसका जीता जागता सबूत उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर देखने को मिलता है। जहां उनकी हर पोस्ट पर तारीफों की बाढ़ जा जाती है। इतना ही नहीं रैपर और सूट और साड़ी पहनकर जब वो डिंपल दिखाती हैं तो लड़कियों के भी दिल जल जाते हैं।

ट्रेडिशनल लुक सबसे खास

हानिया आमिर को सबसे ज्यादा ट्रेडिशनल लुक में देखा जाता है। वो अक्सर अपनी खूबसूरती से सभी का दिल जीत लेती हैं। इस पेस्टल पिंक सीक्वेंस फ्लोर लेंथ अनारकली में उनका लुक बेहद इंस्प्रिव है। उनके सूट को मिरर वर्क से सजााया गया है, जिसकी फूल स्लीव्स और दुपट्टे की हेमलाइन पर भी कढ़ाई की गई है। एक्ट्रेस ने झुमका ईयररिंग और लाइट मेकअप से अपना लुक कंप्लीट किया है।

साड़ी में सादगी भरा अंदाज

हानिया की सादगी पर मर मिटने वालों की तादाद कम नहीं है, क्योंकि उनका हर अंदाज खास होता है। आमिर का ऑरेंज रंग की मल्टीकलर प्रिंटेड साड़ी में भी स्टनिंग स्टाइल देखने को मिला। जिस पर पत्तियों और फूलों का प्रिंट था। उन्होंने इस साड़ी को मल्टीकलर ब्लाउज के साथ ही मैच किया, जिसने लुक में चार चांद लगा दिए। वहीं जूलरी के नाम पर उन्होंने सिर्फझुमका ईयररिंग और रिंग पहनी थी।

येलो कुर्ती सेट में गिराई बिजनियां

क्लासी लाइफस्टाइल जीने वाली अदाकारा का ड्रेसिंग सेंस सिंपल होने पर भी सुंदर होता है। इन तस्वीरों में हानिया ने येलो कलर का शरारा सूट पहना है। जिसकी कुर्ती और दुपट्टा प्रिंटेड है। जिसकी हेमलाइन पर मोती लगे हुए हैं। जबकि स्कर्ट अकॉर्डियन प्लीट्स विद लेयर्ड पैटर्न में था। एक्ट्रेस ने इस सूट के साथ मरून स्टोन लगा चोकर और मैचिंग ईयररिंग पहने हैं। साथ ही ग्रीन स्टोन वाली रिंग से लुक कंप्लीट किया।

वाइट में ब्यूटीफुल हानिया आमिर

हानिया सिर्फ ट्रेडिशनल ही नहीं बल्कि वेस्टर्न में भी स्टाइलिश दिखती हैं। इस वाइट साटन शर्ट और पेंट में उनका लुक काफी स्टनिंग है। उनके पेंट पर सिल्वर स्टोन से बारीक कढ़ाई की गई है। जबकि जूलरी में अदाकारा ने वाइट के साथ पिंक कलर को मैच करते हुए चोकर पहना है। साथ ही ग्लॉसी मेकअप और एक्सपेंसिव बॉच से खुद को राउंडअप किया।

ब्लेजर पर स्टनिंग जूलरी

खूबसूरती और क्यूटनेस से फैंस का दिल जीतने वाली हानिया आमिर का स्टाइल बाकी एक्ट्रेस से काफी हटकर है। जो इन तस्वीरों में साफदेखा जा सकता है। उन्होंने ऑरेंज कलर की शर्ट और ब्लेजर के साथ स्टनिंग जूलरी पहनी है। कॉलर पर थ्री लेयर नेकलेस के साथ चोकर उनके लुक को यूनिक बना रहे हैं। जिसके साथ उन्होंने मैचिंग ईयररिंग और दोनों हाथों में रिंग भी कैरी की है।

मथुरा पहुंचीं एशा देओल होंठों ने खींचा ध्यान

एशा देओल कुछ समय पहले पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा बनी हुई थी। शादी के 11 साल बाद तलाक की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। वहीं अब एक्ट्रेस अपने लुक के कारण चर्चा में बनी हुई हैं। एशा देओल हाल ही में मथुरा पहुंचीं। जहां उनके साथ बहन अहाना देओल भी नजर आईं। जिसके बाद से एक्ट्रेस ट्रोल हो रही हैं।

हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटी एशा देओल सोशल मीडिया पर ध्यान खींच कर रही हैं। कुछ समय पहले एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई थीं। वहीं, अब एक्ट्रेस अपने लुक के कारण चर्चा में बनी हुई हैं। एशा देओल हाल ही में मथुरा में नजर आईं। जहां उनके साथ बहन अहाना देओल भी मौजूद थीं। एशा देओल बॉलीवुड का जाना- माना नाम हैं। शादी के बाद एक्ट्रेस फिल्मी दुनिया से गायब हो गई थीं। हालांकि, फैंस के साथ सोशल मीडिया पर अक्सर लाइफ अपडेट शेयर करती थीं। वहीं, अब एशा देओल ने अपने मथुरा विजिट के कारण ध्यान खींचा।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में एशा देओल का लुक बिल्कुल बदला हुआ नजर आया। एक्ट्रेस की लिप सर्जरी का दावा करते हुए यूजर्स ने उनके लुक को खराब बताया। एशा देओल का वीडियो शेयर करते हुए एक यूजर ने कमेंट किया, एक समय था, जब एशा खूबसूरत लगती थीं। उनके साथ अब क्या हो गया है। एक अन्य यूजर ने कहा, लिप फिलर्स को बैन कर देना चाहिए।

सोशल मीडिया पर हुईं ट्रोल

एशा देओल की लिप सर्जरी पर कमेंट्स यही पर नहीं रुकें। एक यूजर ने कमेंट करते हुए कहा- हद से ज्यादा फेशियल सर्जरी। एक और यूजर ने कहा, पता नहीं क्यों ये सेलेब्स अपनी बॉडी के चेंज करने की कोशिश करते हैं। एक्ट्रेस के लिप जॉब पर बात करते हुए एक यूजर ने कहा, लिप सर्जरी के बाद ये ठीक से बात भी नहीं कर पा रही है। इसी को कहते हैं- प्रतिष्ठा में प्राण देना। एशा की उम्र पर बात करते हुए एक यूजर ने कमेंट किया, इसे कहते हैं सर्जरी पर सर्जरी करना जब तक आप जोकर की तरह न दिखने लगें, क्योंकि आप ग्रेसफुली बूढ़े नहीं होना चाहते।

ऑफिस में हर वक्त रहता है तनाव, प्लान करें वर्कप्लेस मैनेजमेंट

चार आसान तरीके आएंगे आपके काम

ऑफिस में काम करना या अपने काम को मैनेज करना एक टफ टास्क होता है, जिससे अमूमन कामकाजी लोगों को स्ट्रेस हो जाता है। लेकिन यकीन मानिए कि अगर आप ये 4 तरीके आजमाएंगे तो आपको कभी भी स्ट्रेस नहीं होगा।

ऑफिस में काम करना या अपने काम को मैनेज करना एक टफ टास्क होता है, जिससे अमूमन कामकाजी लोगों को स्ट्रेस हो जाता है। लेकिन यकीन मानिए कि अगर आप ये 4 तरीके आजमाएंगे तो आपको कभी भी स्ट्रेस नहीं होगा।

अक्सर जो लोग वर्किंग होते हैं वह डिप्रेशन, तनाव या एंजाइटी जैसी कई मेंटल प्रॉब्लम से जूझते हैं, जिसका सबसे बड़ा कारण यह होता है कि वह अपने काम को प्रभावी ढंग से मैनेज नहीं कर पाते है और इसके चलते समय पर काम पूरा नहीं हो पाता है। इसी कारण काम का प्रेशर इतना ज्यादा होता है कि ये आगे जाकर डिप्रेशन का रूप ले लेता है और इससे आपकी मेंटल और फिजिकली दोनों हेल्थ प्रभावित होती है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप अपने ऑफिस के तनाव को इन चार तरीके से आसानी से कम कर सकते हैं।

जब भी आप घर से ऑफिस जाते हैं, तो अपने काम का रिव्यू खुद करें। 10 मिनट खुद के लिए निकाले और खुद के प्रश्नों का उत्तर दें कि क्या आप अच्छा काम कर रहे हैं? आपकी रणनीति क्या है? आगे आप कैसे काम को बढ़ाएंगे? इस तरह के सवाल खुद से करें और उनके जवाब खोजें। इससे आप अपने काम को ऑटोमेटिक मैनेज कर पाएंगे और खुद अपना आंकलन कर सकेंगे।

आप जो काम कर रहे हैं वह हमेशा फ्यूचर ओरिएंटेड रहना चाहिए। आपको इसकी प्लानिंग करना जरूरी है कि आने वाले समय में आप किस तरीके का काम करेंगे और कैसे अपनी रणनीति बनाएंगे। अगर आप अपने दिमाग में ही अपने फ्यूचर प्लान को बना लेंगे, तो छोटे-मोटे काम से निपटने के लिए आपको समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि आपका विजन ब्रॉड है और आपका गोल फ्यूचर ओरिएंटेड है, इससे आपको ऑफिस का तनाव भी कम होगा।

जी हां, अव्यवस्था और नेगेटिविटी आपके काम को प्रभावित कर सकती है, इसलिए आप अपने वर्कप्लेस को हमेशा ऑर्गेनाइज्ड रखें और वहां पर पॉजिटिव एटमॉस्फेयर क्रिएट करें। इससे फोकस और प्रोडक्टिविटी में सुधार होता है और आप ऑफिस स्ट्रेस को काफी हद तक कम कर सकते हैं। सुबह कोई भी काम स्टार्ट करने से पहले सबसे पहले अपनी एक टू डू लिस्ट बनाएं, यानी कि जो काम आपको उस दिन करना है उसकी लिस्ट बनाइए, उनमें से जो काम सबसे ज्यादा प्रायोरिटी पर है, उन्हें सबसे पहले करें। उसके बाद धीरे-धीरे करके अपने बाकी कामों को भी निपटाएं, इस तरीके से आप रूटीन वर्क का प्लान बनाकर अपने ऑफिस स्ट्रेस को कम कर सकते है और अपने काम को मैनेज कर सकते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए आवेदन आज से

सुकमा। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रदेश के अधिसूचित क्षेत्रों आदिवासी उपयोजना क्षेत्र तथा माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थित शालाओं में अध्ययनरत प्रतिभावान विद्यार्थियों को कक्षा 9 वीं से 12वी तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट तथा एनडीए की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु सघन तैयारी कराई जाती है। इस उद्देष्य की पूर्ति हेतु राज्य में प्रयास आवासीय विद्यालय स्थापित किये गये है। वर्ष 2024-25 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु 23 अप्रैल 2024 से आनलाईन आवेदन प्रारंभ हो गया है। इच्छुक विद्यार्थी विभागीय वेबसाईट पर आनलाईन आवेदन कर सकते है। आनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 मई 2024 को निर्धारित की गई है। साथ ही ऑनलाईन आवेदन पत्र में त्रृटि सुधार 18 मई से 20 मई 2024 तक कर सकते है। प्रवेश हेतु प्राक्कयन परीक्षा की 09 जून 2024 दिन रविवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा। विस्तृत जानकारी हेतु विभागीय वेबसाईट एवं जिले के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कार्यालय सुकमा से संपर्क कर सकते है।

स्वीप के तहत साप्ताहिक बाजार में निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

कांकेर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में गत दिवस कांकेर के साप्ताहिक बाजार में डाइट के छात्र-छात्राओं के द्वारा नोडल गिरीश गौतम के नेतृत्व में 'जागरूक रहेगा कांकेर-मतदान करेगा कांकेर' के नारे के साथ मतदाताओं को शत-प्रतिशत वोट करने का आग्रह किया गया। इसके बाद बाजार स्थल में ही कांकेर तहसीलदार श्री सुरेश रॉय द्वारा अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई गई।

वनांचल के छात्रों को घुड़सवारी विधा में पारंगत बना रहा है जिला प्रशासन

दंतेवाड़ा। बच्चों में छिपी प्रतिभा को उजागर करने के लिए छात्र जीवन एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, यही समय होता है जब बच्चों के रूचि अनुरूप उनके रूझान को पहचान कर उनके भावी जीवन की दशा और दिशा को सही मार्गदर्शन दें सकते है। यु तो छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ खेल-कूद सहित अतिरिक्त विधाओं में भी पारंगत होने की दरकार होती है। अगर खेल-कूद की बात की जाए तो क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, कबड्डी जैसे परंपरागत खेलों से आमतौर पर हर कोई परिचित रहता है और सीखा जा सकता है। परंतु कई विधाएं ऐसी है जिसकी सुविधा सहज ही उपलब्ध नहीं हो पाती और घुड़सवारी विधा भी एक ऐसी विधा है। परंतु जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल करते हुए जावंगा स्थित एजुकेशन हब के छात्र-छात्राओं को घुड़सवारी में पारंगत करने की कवायद की जा रही है। इसके लिए राजधानी रायपुर से घोड़े एवं प्रशिक्षक की व्यवस्था की गई है, इस क्रम में जावंगा स्थित स्पोट्र्स कॉम्पलेक्स के एकलव्य खेल परिसर में छात्रों हेतु घुड़सवारी प्रशिक्षण गत 1 अप्रैल से प्रारंभ किया गया है। और छात्र-छात्राओं को सुबह और शाम दो पालियों में घुड़सवारी की बारीकियां, अश्व संचालन के तौर तरीके सिखाए जा रहे है और फिलहाल 30-30 छात्र-छात्रा घुड़सवारी प्रशिक्षण ले रहे है। नेमेड़ की बबिता पोयाम, कारली की दीपिका, ग्राम रोकेल की ललिता मुचाकी ने इस संबंध में बताया कि घुड़सवारी सीखना उनके लिए एक रोमांचक अनुभव है और अभी परीक्षा के बाद उनकी छुट्टियां चल रही है और इसका वे सदुपयोग कर रही है।

अमित शाह की नक्सलियों को चेतावनी

सरेंडर कर दो वरना मिटा देंगे नामो निशान, दो साल में लाल आतंक से मुक्त होगा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। पहले चरण के मतदान के बाद अब छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण की तैयारियां शुरु हो चुकी हैं. छत्तीसगढ़ में 26 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान है, जिसमें कांकेर,महासमुंद और राजनांदगांव लोकसभा सीट के लिए वोटिंग होगी. लिहाजा अमित शाह ने कांकेर लोकसभा प्रत्याशी भोजराज नाग के लिए बड़ी चुनावी सभा ली. इस दौरान अमित शाह ने दो साल के अंदर नक्सलवाद को खत्म करने का दावा किया.साथ ही भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा।

अमित शाह ने अपने भाषण में कहा कि ''मैं सबसे पहले प्रभु श्रीराम के ननिहाल में आया हूं.हम सबने अपने जीवन में 17 तारीख का अनुपम दृश्य देखा. भगवान राम ने 500 साल बाद अपना जन्मदिन भव्यमंदिर में मनाया और सूर्य तिलक के साथ जनता को दर्शन दिया.आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया,तो मोदीजी ने केस जीता, मंदिर भी बनवाया और प्राणप्रतिष्ठा भी किया. कांग्रेस ने प्राणप्रतिष्ठा का न्यौता ठुकराया. उनको जो करना है करने दो हम नहीं डरते हैं. हम काशीनाथ कॉरिडोर, केदारनाथ बद्रीनाथ और सोमनाथ मंदिर सोने का बनवा रहे हैं.'' मोदी के पास 25 साल का एजेंडा : कांकेर में अमित शाह ने कहा कि ''मोदी जी के पास दस साल का ट्रैक रिकॉर्ड है और 25 साल का एजेंडा भी है. मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि चार पीढ़ियों ने आपकी पार्टी ने राज किया लेकिन गरीबों के लिए क्या किया.'' अमित शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने पांच साल में ना बोनस दिया, ना धान खरीदा, ना महतारी वंदन का पैसा दिया, गरीब को घर नहीं दिया, हर गरीब को पांच किलो चावल मुफ्त नहीं दिया. ये सारी चीजें मोदी ने दी है.नरेंद्र मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को 5 लाख का मुफ्त इलाज खर्च दिया है.''

''मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनादो तो 70 साल के ऊपर वाले सभी लोगों का कर्जा माफ हो जाएगा.ये मोदी की गारंटी है.मैं कांकेर की भूमि से घोषणा करता हूं. 4 जून को मोदी की सरकार बनते ही देश के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य का खर्च आपका बेटा मोदी उठाने वाला है.''- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

अमित शाह के मुताबिक ''नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर सवाल उठाए हैं. नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पर संपत्ति का सर्वे की बात है. पूर्व पीएम ने कहा था संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है,जबकि हम कहते हैं संसाधनों पर पहला हक गरीब,आदिवासी और जरुरतमंदों का है.मौजूदा समय में झारखंड में इंडी अलायंस की एक तस्वीर सामने आई थी.जिसमें अलायंस के नेता एक दूसरे के कपड़े फाड़ रहे थे.कुर्सियां बरसा रहे थे.'' मोदी ने आदिवासियों का रखा ध्यान- अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने जल जंगल और जमीन के साथ साथ- सुरक्षा सम्मान और समावेशी विकास देने का काम मोदी जी ने किया है. आजादी से आज तक कभी भी आदिवासी का बेटा या बेटी राष्ट्रपति नहीं बना था.लेकिन मोदी जी ने ओड़िसा की एक आदिवासी बेटी को देश का राष्ट्रपति बनाया. मोदी ने 210 करोड़ की लागत से आदिवासी संग्राहलय बनाया. आदिवासियों के लिए कांग्रेस सरकार 24 हजार करोड़ रुपए रखे थे.लेकिन नरेंद्र मोदी ने 1 लाख 24 हजार करोड़ रुपए आदिवासियों के लिए रखे हैं. बस्तर में तेंदूपत्ता संग्रहण का दाम दिया.एकलव्य विद्यालय बनाएं,आदिवासियों के बच्चों को उचित शिक्षा दी.

किरणसिंह देव ने अमित शाह का किया अभिवादन : रैली की शुरुआत में बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष किरणसिंह देव ने गृहमंत्री अमित शाह का अभिवादन किया. इस दौरान किरण सिंह देव ने कांग्रेस की सरकार पर जमकर निशाना साधा.किरण सिंह देव ने कहा कि पिछले पांच साल में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में तबाही मचाई है।

यही वजह है कि पांच साल बाद जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया. पांच साल में जनता से अन्याय करने वाली अत्याचारी कांग्रेस सरकार को बाहर कर दिया है. आज मोदी जी की कई कल्याणकारी योजनाओं के सहारे खुशहाली आई है. दस साल में पीएम मोदी ने गरीब परिवारों के लिए योजनाएं लाई.लेकिन कांग्रेस की अत्याचारी सरकार ने जनता तक योजनाओं को लाने से रोका.लेकिन जब हमारी सरकार बनीं तो एक बार फिर प्रदेश की गरीब जनता को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने लगा। 14 अप्रैल को अमित शाह कर चुके हैं प्रचार : इससे पहले अमित शाह ने 14 अप्रैल को राजनांदगांव लोकसभा सीट पर प्रचार किया था. खैरागढ़ की सभा में अमित शाह ने हुंकार भरते हुए कहा था कि हमारे जवान नक्सलियों का उसी तरह से सफाया करेंगे,जिस तरह से पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को मारा है.आपको बता दें कि इस सभा के दूसरे ही दिन कांकेर में बीएसएफ के जवानों ने नक्सलियों के खिलाफ एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया.जिसमें 25 लाख के इनामी नक्सलियों समेत 29 नक्सली ढेर हो गए थे।

दो साल में छत्तीसगढ़ होगा नक्सल मुक्त

अमित शाह ने नक्सलवाद पर गरजते हुए कहा कि ''कांग्रेस की सरकार में नक्सलवाद पर नकेल नहीं कसी जा सकी.लेकिन मौजूदा समय में बीजेपी की नई सरकार ने नक्सलियों से निपटने के लिए नया प्लान तैयार किया. सीएम विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा ने पद संभालते ही चार महीनों में ही 90 से ज्यादा नक्सलियों का सफाया हो चुका है. केंद्र में यदि तीसरी बार मोदी जी की सरकार आई तो दो साल के अंदर छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा. छत्तीसगढ़ की नक्सलियों को हम कहना चाहते हैं कि आप सरेंडर कर दीजिए अब भी वक्त है.यदि अब भी नक्सलियों ने सरेंडर नहीं किया तो चिंता ना करें.आने वाले दो साल में छत्तीसगढ़ की धरती लाल आतंक से मुक्त होगी।

सफलतापूर्वक मतदान कराने में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि सेक्टर अधिकारी सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रवाल ने जिला पंचायत सभाकक्ष में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अंतर्गत नियुक्त किए गए जिले के सभी सेक्टर अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें कार्यों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिससे की बालोद जिले में निर्विघ्न रूप से एवं सफलतापूर्वक मतदान संपन्न हो सके। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रकांत कौशिक सहित सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के अलावा सेक्टर अधिकारीगण उपस्थित थे।

चन्द्रवाल ने सभी सेक्टर अधिकारियों को पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कार्यों एवं दायित्वों के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने को कहा। जिससे की उन्हें कार्य संपादन में किसी प्रकार की दिक्कत न हो सके। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्यों के अंतर्गत जिले में किसी भी स्थिति में लॉ एंड आर्डर की स्थिति निर्मित नही होनी चाहिए। इसके लिए निर्वाचन संबंधी कार्यों को शत प्रतिशत सही एवं त्रुटिरहित ढंग से पूरा करना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर चन्द्रवाल ने सभी सेक्टर अधिकारियों को अपने अधिनस्थ सभी मतदान केन्द्रों के साथ-साथ संगवारी एवं दिव्यांग मतदान केन्द्रों का तत्काल निरीक्षण कर वहाँ सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सेक्टर अधिकारियों को अपने-अपने प्रभार क्षेत्रों में मोबाईल नेटवर्क का भी जाँच करने के निर्देश दिए। जिससे की मतदान के दौरान जानकारी प्रेषित करने तथा संपर्क स्थापित करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सेक्टर अधिकारियों को मतदान दिवस से 72 घण्टे पूर्व की तैयारियों के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सेक्टर अधिकारियों को मतदान केन्द्रों में न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं के अंतर्गत अपने प्रभार वाले सभी मतदान केन्द्रों में रैम्प, पेयजल, बिजली की सुविधा के अलावा शौचालय, छांव, पर्याप्त फर्नीचर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने सेक्टर अधिकारियों को मतदान दिवस से 48 घण्टे पूर्व की तैयारियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

स्वीप: महिलाओं ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, कैट वॉक कार्यक्रम का किया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा के निर्देशन में ऑडिटोरियम भवन जांजगीर में फैंसी ड्रेस कैट वॉक (महिलाओं द्वारा) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

परियोजना अधिकारी जांजगीर विकास सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान हेतु लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से कुल 70 महिलाओं द्वारा छत्तीसगढ महतारी, डॉक्टर, वकील, जज, पुलिस, गृहणी एवं वरिष्ट महिला नागरिक, क्रिकेटर, फुटबॉल प्लेयर एवं किसान आदि के वेशभूषा धारण कर लोगो को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम में सभी परियोजना अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेन्द्र सिंह जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी एवं सेक्टर सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा के निर्देशन में आज स्वीप एक्टिविटी के तहत जुंबा डांस एवं वॉकथान रैली का आयोजन किया गया। वॉकथान रैली महंत गार्डन से कचहरी चौक होते हुए हाई स्कूल मैदान तक निकाली गई। इसके साथ ही उपस्थित सभी को शत प्रतिशत मतदान की शपथ दिलाई गई।

कलेक्टर ने मतदान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रावाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे ने आज जिला कार्यालय परिसर से दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक (80 प्लस) आयु वर्ग के नागरिकों को मतदान स्थल तक लाने-ले जाने के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा मतदान रथ को हरी झंडी दिखाकर रावाना किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक (80 प्लस) आयु वर्ग के मतदाताओं को मतदान दिवस के दिन मतदान केन्द्र पहुंचने सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

कबीरधाम जिले में दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक (80 प्लस) मतदाताओं के लिए 527 मतदान केन्द्रों को चिन्हांकित किया गया है। इन 527 मतदान केन्द्रों में 199 निःशुल्क परिवहन की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर महोबे ने आज जिले के सभी चार विकासखंड मुख्यालय के लिए कुल 08 विशेष रथ को रावाना किया।

कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे ने बताया कि मतदान दिवस के दिन 1950 में डायल कर दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक (80 प्लस) उम्र के मतदाता इस निःशुल्क मतदाता रथ का लाभ ले सकते है। उन्होंने यह भी बताया कि विकासखंड मुख्यालय के अलावा जिन-जिन ग्राम पंचायतों में दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक (80 प्लस) के मतदाता निवासरत् है, ऐसे मतदाता स्थानीय सचिव से संपर्क कर मतदान केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए निःशुल्क रथ (वाहन) सुविधा का लाभ ले सकते है। चिन्हांकित मतदाताओं को सूचना देने के लिए ग्राम सचिव को विशेष जिम्मेदारी दी गई है।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर अविनाश भोई, उप जिला निर्वाचन अधिकारी गीता रायस्त, समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक अभिलाषा पंडा सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे। जिले के सभी 804 मतदान केन्द्रों में दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिक (80 प्लस) के लिए विशेष इंतजाम किया गया है। मतदान केन्द्र तक पहुंचने के लिए सभी मतदान केन्द्रों में व्हील चेयर भी रखा गया है। समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक ने बताया कि आयोग के निर्देश पर यह व्यवस्था की जा रही है। दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं को मुख्य मार्ग से मतदान केन्द्र और मतदान केन्द्र से अंदर जाने के लिए व्हील चेयर व्यवस्था की गई है।

शिक्षा विभाग विकासखण्ड तिल्दा नेवरा ने निकाली मोटर साईकिल रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ज़िला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार आज मतदाता जागरूकता कार्यक्रम शिक्षा विभाग विकासखण्ड तिल्दा नेवरा के ब्लाक शिक्षा अधिकारी एल - के- जाहिरे तथा बी आर सी सी संतोष शर्मा के मार्गदर्शन में नगर तिल्दा नेवरा में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

एसडीएम प्रकाश टंडन ने मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडा दिखाकर रवाना किया जिसमे विकासखंड सभी संकुल समन्वयक, शाशकीय एवं प्राइवेट स्कुल के शिक्षक, शिक्षिकाओं ,प्राचार्यों एवं स्कूलों के बस चालकों ने मोटर सायकल रैली ब्लाक शिक्षा विभाग कार्यालय तिल्दा से निकल कर स्टेशन रोड ,बनियापारा ,सिंधी कैम्प ,गाँधी चौक होते हुए शहर के प्रमुख मार्गो गुजर कर बी एन बी स्कुल तिल्दा पंहुचा जहां पर एस डी एम श्री प्रकाश टंडन ने शिक्षक शिक्षिकाओं व कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई।

श्री टण्डन ने कहा कि लोकतंत्र के मेला में हम खुद मतदान करें और दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें। लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखें। स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को रखते हुए निर्भीक होकर मतदान करें। जाहिरे ने कहा की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार चुनने का अधिकार मतदाताओं के हाथ में होता है।

Jaquar Roca Parryware Wow, what a bathroom! AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

यात्री के बैग से मिले साढ़े सात लाख, फ्लाइंग स्क्वाड ने किया जब्त

रायपुर (ए.)। लोकसभा चुनाव के दौरान अवैध धन-वास्तु परिवहन के खिलाफ आरपीएफकी चेकिंग जारी है। 22 अप्रैल को आरपीएफ की टीम ने एक यात्री के बैग से साढ़े सात लाख रुपए बरामद किए। दरअसल 22 अप्रैल को मंडल सुरक्षा आयुक्त रायपुर संजय कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में मंदिरहसौद टास्क टीम की प्रभारी तरुणा साहू के सहयक उपनिरीक्षक नरेंद्र और प्रधान आरक्षक बी एल यादव ने जांच के दौरान एर्नाकुलम एक्सप्रेस से आये एक यात्री को पास रोका। पूछताछ में उसने अपना नाम महेश पंजवानी पिता भोजमल पंजवानी उम्र 45वर्ष निवासी महाशक्ति वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा जिला बलौदाबाजार बताया। उसके पास रखे काले रंग बैग के बारे में पूछने पर बैग में 7,50,000 रुपए कैश हैं बताया। कैश ले जाने के संबंध में कागजात की मांग करने पर मौके पर कोई वैद्य कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देते हुये उक्त व्यक्ति को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट रायपुर लाया गया और विधान सभा रायपुर उत्तर क्षेत्र के उड़नदस्ता के कार्यपालक मजिस्ट्रेट दीप्ति तिवारी को जानकारी दी गई। उडनदस्ता ने रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट पहुंचकर उक्त कैश 750000 को जब्त अपने कब्जे में लिया और इसकी जानकारी डिप्टी डायरेक्टर आयकर 2 नया रायपुर को मेल के माध्यम से दी।

अस्पताल के बाहर खड़ी एंबुलेंस में लगी आग, मची अफरा-तफरी

रायपुर। राजधानी रायपुर के एक अस्पताल के बाहर बड़ा हादसा हो गया। अस्पताल परिसर में खड़ी एंबुलेंस में देखते ही देखते आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली की

आसपास के लोगों को भागना पड़ा। आनन फानन में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना भाटागांव इलाके में हई। यहां बने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास कुछ एम्बुलेंस खड़ीं थीं। इन्हीं में अचानक आग लगी। ये गाड़ियां खराब थीं और अस्पताल के बाहर पार्क की गईं थीं। अस्पताल के बाहर 4 खराब एम्बुलेंस रखी गईं थीं इन्हीं में आग लगी। पहले एक एम्बुलेंस में आग लगी इसके बाद पास खड़ी दो गाड़ियां भी जल गईं। तेजी से आग फैलता देख आसपास के लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। फायर ब्रिगेड को सूचना देने के बाद मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं हो पाई है।

वन्य प्राणियों के अवशेष के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (ए.)। वनमंडल बिलासपुर व अचानकमार टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने पेंगोलिन की खाल, हड्डी और तेंदुए के दांत की बिक्री करने के लिए घूम रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिए गए हैं। वन विभाग को खबर मिली कि कोटा में सीवी रामन यूनिवर्सिटी के पास कुछ लोग वन्य जीवों के खाल व हड्डियों लेकर रुके हुए हैं और ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। वन विभाग की संयुक्त टीम ने पहुंचकर अर्टिका कार में सवार मुंगेली जिले के खुड़िया और चचेड़ी ग्राम के पांच आरोपियों अमन कारीकांत, रमेश कतलम, भरत ध्रुव, रिकू मरावी और अंकित जोगांश को हिरासत में ले लिया। उनके पास से पैंगोलिन की खाल, दांत और हड्डियां तथा तेंदुए की दांत मिली, जिन्हें जब्त कर लिया गया। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 6 माह पहले तेंदुए का शिकार किया था और उसे जमीन पर दफ्ना दिया था। उसे अभी बिक्री के लिए लाये थे। आरोपियों की बताई गई जगह आलमखार में वन विभाग की टीम ने खुदाई कराई है, जहां तेंदुए का अवशेष मिला।

एक माह बाद पकड़ाया आरोपी

रेप के बाद नाबालिग की हत्या, पुलिस ने खोला अंधेकत्ल का राज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नाबालिग से रेप व हत्या का मामला सामने आया है। लगभग एक माह पुराने इस मामले में पुलिस को आरोपी तक पहुंचने कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार पुलिस ने मामला सुलझाया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 302, 376(2)(ढ) व 6 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। मामला जिले के कोतबा चौकी क्षेत्र का है।

बता दें इस मामले में नाबालिग के पिता ने 27 मार्च को कोतबा चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी 20 मार्च को कहीं चली गई।

इसके बाद उसकी काफी तलाश की गई लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद उसका शव घर से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर जंगल के किनारे स्थित रहड़ बाड़ी में मिला। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने शव पीएम कराया। पीएम के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जशपुर एसपी शशिमोहन सिंह के निर्देश पर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पत्थलगांव ध्रुवेश जायसवाल एवं चौकी प्रभारी उप निरीक्षक समरेन्द्र सिंह ने जांच की कार्रवाई शुरू की। कई लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस को दीपक गुप्ता के बारे में पता चला। मृतक नाबालिग के साथ अंतिम बार दीपक गुप्ता को देखे जाने की जानकारी मिली। पुलिस ने दीपक गुप्ता को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की। पहले तो दीपक गुप्ता पुलिस को गुमराह करता रहा लेकिन बाद में जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो उसने सारा सच उगल दिया।

शादी का दबाव बनाए जाने से था परेशान

पुलिस की पूछताछ में दीपक गुप्ता ने बताया कि उसने नाबालिग को शादी का झांसा दिया और रेप किया। इसके कारण उसका गर्भ ठहर गया था। इसके बाद उसने देशी जड़ी बूटी खिलाकर उसका गर्भपात भी कराया। इसके बाद नाबालिग ने दीपक गुप्ता पर शादी के लिए दबाव देना शुरू कर दिया। इससे दीपक गुप्ता काफी परेशान रहने लगा। 20 मार्च 2024 को दीपक गुप्ता नाबालिग से उसके घर से कुछ दूर एक रहड़ बाड़ी में मिला। यहां नाबालिग द्वारा शादी के लिए दबाव बनाया गया जिसके कारण दोनों में विवाद हुआ। विवाद बढ़ा तो दीपक गुप्ता ने उसे थप्पड मार कर गिरा दिया। इसके बाद अपने पास रखे गमछा से नाबालिग का नाक व मुंह दबा दिया। इससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद दीपक गुप्ता वहां से भाग गया जिसकी सोमवार को गिरफ्तारी हुई। इस पूरी कार्रवाई में चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक समरेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक फ्रांसिस बेक, आरक्षक दीपक टोप्पो एवं सायबर सेल के एएसआई हरिशंकर राम, आरक्षक अनिल सिंह, आरक्षक सोनसाय भगत की सराहनीय भूमिका रही।

सूने मकान में चोरी, पुलिस के हत्थे चढ़े दो चोर

रायपुर (ए.)। खमतराई के एक सूने मकान में चोरी करने वाले दो चोरों को खमतराई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात और नकदी रकम बरामद की गई है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है।

प्राप्त जानकरी के साहूपारा, नीम डबरी, खमतराई निवासी मनोज साहू 16 अप्रैल को सपरिवार बाहर गए थे। इसी बीच चोरों ने इनके घर पर धावा बोला। 19 अप्रैल को जब परिवार वापस आया तो इन्हे चोरी का पता चला। प्रार्थी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 406/24 धारा 457, 380 भदवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी खमतराई के नेतृत्व में थाना खमतराई पुलिस की टीम द्वारा घटना स्थलों का बारिकी से निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थियों से विस्तृत पूछताछ करते हुए अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया।

टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस-पास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करते हुए प्रकरण में मुखबीर लगाने के साथ ही तरीका वारदात के आधार पर चोरी के प्रकरणों में हाल ही में जेल से रिहा हुए अपराधियों के संबंध में भी जानकारी एकत्र कर अज्ञात आरोपी को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों द्वारा घटना में संलिप्त आरोपी नीम डबरी नहरपारा खमतराई निवासी राज विश्वकर्मा एवं अमरदास कुर्रे उर्फ सूरज को पकड़कर घटना के संबंध में

कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा चोरी की उक्त घटनाओं को अंजाम देना बताया गया।

जिस पर आरोपी राज विश्वकर्मा एवं अमरदास कुर्रे उर्फ सूरज को गिरफ्तार कर दोनों के कब्जे से चोरी की सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम 25,575/- रूपये जुमला कीमती लगभग 55,000/- रूपये जप्त कर दोनों के विरूद्ध कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी में राज विश्वकर्मा पिता उत्तम विश्वकर्मा 20 साल निवासी नीम डबरी नहरपारा खमतराई थाना खमतराई रायपुर। अमरदास कुर्रे उर्फ सूरज पिता राजेन्द्र प्रसाद कुर्रे 20 साल निवासी नीम डबरी नहरपारा खमतराई थाना खमतराई रायपुर है।

कार्यवाही में निरीक्षक एसएन सिंह थाना प्रभारी खमतराई, सउनि. जगदम्बा तिवारी, प्र.आर. रमेश यादव, आर. सुदीप मिश्रा, विकास सिंह, मनमोहन तंदुलाने एवं भेनू लोधी थाना खमतराई की महत्वपूर्ण भूमिंका रही।

भारी बारिश में बीच सड़क पर खड़ी ट्रक से भिड़ा बाइक सवार, मौके पर मौत

■ पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का मामला, नेहरू नगर स्थित ससुराल जा रहा था युवक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में सोमवार की रात को बारिश के बीच दर्दनाक हादसे में युवक की मौत हो गई। युवक नेहरू नगर वांबे आवास स्थित अपने ससुराल के लिए निकला था। इस दौरान बारिश होने लगी और बीच सड़क पर खड़ी ट्रक से भिड़ गया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुरानी भिलाई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को शास्त्री अस्पताल भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार रात 9 बजे के बाद की यह घटना बताई जा रही है। चरोदा निवासी मोतीलाल बघेल (35) रायपुर में क्रेन चलाता था। नेहरू नगर वांबे आवास भिलाई में उसका ससुराल है। सोमवार की रात को अचानक मौसम बिगड़ा और तेज बारिश होने लगी। बताया जा रहा है कि मोतीलाल ने बारिश के कारण हेलमेट

निकाल दिया था। इस दौरान भिलाई तीन हाइवे में सड़क के बीचोबीच खड़ी ट्रक से बाइक सवार भिड़ गया। इससे मोतीलाल के सिर पर गंभीर चोट आई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रक को पुलिस थाने ले गई और मृतक के शव को सुपेला शास्त्री अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने हादसे की सूचना परिजनों को भी दे दी। परिजन रात को ही अस्पताल पहुंच गए। रात ज्यादा होने के कारण मंगलवार की सुबह शव का पीएम किया गया। तेज बारिश व ट्रक चालक की लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संदिग्ध अवस्था में मिली महिला की लाश

बोरी में बंद कर फेंका गया शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में महिला की संदिग्ध अवस्था में लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने शव को तीन से चार दिन पुराना बताया है। आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या करने के बाद बोरे में बंद कर शव को फेंका गया। शव की हालत इतनी खराब थी कि सुपेला शास्त्री अस्पताल में उसका पीएम नहीं हो सका। इसके बाद पुलिस ने शव को पीएम के लिए राजनांदगांव भेजा।

जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह कोडिया ग्राम से सगनी जाने वाले मार्ग पर एक प्लास्टिक बोरी में बंद महिला की लाश मिली। महिला की उम्र लगभग 25 से 30 साल के बीच की बताई जा रही है। शव मिलने की सूचना पर नंदिनी नगर

थाना प्रभारी राजेश साहू, क्राइम टीम प्रभारी कपिल देव पांडे व फोरेंसिक टीम पहुंची। पुलिस ने शव की शिनाख्ती का प्रयास किया लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि मृतक महिला के शरीर पर आसमानी नीला साड़ी, हरा पेटीकोट, काला ब्लाउज, दोनों हाथ में ऑरेंज कलर के 2 प्लास्टिक कंगन, लाल रंग की कांच की चूड़ी और 2 सिल्वर कलर का कंगन हैं। आसपास इसकी जानकारी दी गई है ताकि शव की शिनाख्त हो सके।

हत्या के बाद सघनी घाट में फेंका गया शव

पुलिस के अनुसार आशंका है कि महिला की हत्या कहीं और की गई और शव को ठिकाने लगाने सघनी घाट लाया गया। पुलिस को आशंका है कि हत्या के बाद शव को छिपाकर रखा गया और जब बदबू ज्यादा आने लगी तो प्लास्टिक के बोरे में बंद कर सघनी मार्ग पर फेंक दिया गया। नंदिनी पुलिस ने मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है।

बारात स्वागत के दौरान डबल मर्डर, दूल्हे पक्ष के 2 लोगों की हत्या

धमतरी (ए.)। धमतरी में बीते रविवार को बारात में नाचने के दौरान हुए विवाद में चाकूबाजी हो गई। घटना में दो बारातियों को एक आरोपी ने चाकू से गोदकर मार डाला। सनसनीखेज वारदात के बाद इलाके में डर का माहौल है। वहीं, हत्या की वारदात के बाद से आरोपी फरार है, जिसे पुलिस अबतक के नहीं पकड़ पाई है। घटना कुरूद थाना क्षेत्र के बिरेझर चौकी क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, 21 अप्रैल को तिल्दा नेवरा के ग्राम छतौद में एक ध्रुव परिवार के बेटे की शादी थी। रविवार की शाम परिवार नाचते गाते बारात लेकर धमतरी के बिरेझर ग्राम भैंसबोड पहुंचे थे। दुल्हन पक्ष के लोग भी बारात परघाने के लिए पहुंचे। इस दौरान डीजे में नाचने को लेकर बाराती पक्ष और घराती पक्ष के कुछ लोगों के साथ विवाद हुआ। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। इसी बीच एक युवक ने चाकू निकाल कर तीन बारातियों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चाकूबाजी की घटना के बाद बारातियों में चीख-पुकार मच गई। आरोपी घटना के बाद मौके से फरार हो गया। बारातियों ने गंभीर हालत में घायल तीन युवकों को कुरूद के अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान राकेश ध्रुव और रवि ध्रुव की मौत हो गई। वहीं, एक अन्य बाराती गंभीर रूप से घायल है, जिसका उपचार अस्पताल में जारी है।

आरोपियों के पास से 1 देशी कट्टा व 1 जिंदा कारतूस बरामद

कट्टा व कारतूस लेकर घूम रहे पांच आरोपी पकड़ाए

रायपुर (ए.)। रायपुर की एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट की टीम ने कट्टा और जिन्दा कारतूस लेकर घूम रहे 2 नाबालिगों समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला गोलबाजार थाना का है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना गोलबाजार क्षेत्रांतर्गत राजीव आवास गेट के सामने बीआरटी बस स्टैंड डीकेएस अस्पताल के पीछे कुछ व्यक्ति कट्टा लेकर आने-जाने वाले आम नागरिकों को भयभीत कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट तथा थाना गोलबाजार पुलिस की संयुक्त टीम को आरोपियों को कट्टे के साथ पकड़ने निर्देशित किया गया। एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट एवं थाना गोलबाजार पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान

पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्तियों को चिन्हांकित कर 3 आरोपियों और 2 नाबालिगों को पकड़ा। आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके पास 1 देशी कट्टा और 1 जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पांचो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 01 नग देशी कट्टा एवं 01 नग जिंदा कारतूस जप्त कर उनके विरूद्ध थाना गोलबाजार में अपराध क्रमांक 156/24 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में फहीम खान पिता नईम खान 24 वर्ष निवासी शिवमंदिर के पीछे भोंदू का बाड़ा मौदहापारा रायपुर। बादल पांदरे पिता मानसिंह पांदरे 24 वर्ष निवासी शास्त्री बाजार बांसटाल धोबी गली थाना गोलबाजार जिला रायपुर। वसीम खान पिता वकील खान 26 वर्ष निवासी ब्लाक ग्राउण्ड फ्लोर राजीव आवास थाना गोलबाजार जिला रायपुर। इस कार्रवाई में निरीक्षक अर्चना धुरंधर थाना प्रभारी गोलबाजार, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट से निरीक्षक परेश पाण्डेय, सउनि संतोष सिंह, प्रआर अनुप मिश्रा थाना गोलबाजार से सउनि. राजेन्द्र धनगर तथा आर. शिवकुमार चन्द्रा की महत्वपूर्ण भूमिंका रही।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9303289950, 9827806026
8962815243

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

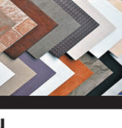

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

85 प्लस वर्ष के मतदाताओं एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिये कलेक्टर ने विशेष टीम का किया गठन

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मितानिनों के माध्यम से लोक सभा निर्वाचन 2024 निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 07 दुर्ग हेतु विगत 19 अप्रैल 2024 शुक्रवार संध्या 6.30 बजे कैण्डल मार्च एवं मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। मतदाता जागरूकता विशाल रैली में लगभग 300 मितानिनों एवं अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा कलेक्टर परिसर दुर्ग से पटेल चौक होते हुए जिला पंचायत दुर्ग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से होते हुऐ जिला अस्पताल दुर्ग तक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के नारे एवं स्लोगन के माध्यम से प्रचार-प्रसार करते हुए, सभी मतदाताओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिये 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की गई। 85 वर्ष के मतदाताओं एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिये, जो मतदान केन्द्र तक नहीं पहुंच पाने वाले मतदाताओं के लिये कलेक्टर सुश्री चौधरी द्वारा विशेष टीम का गठन किया गया है, जो घर पहुंचकर निष्पक्ष मतदान करायेंगे, इस स्थिति में 85 वर्ष से अधिक एवं दिव्यांगजन जो मतदान केन्द्र में नहीं पहुंच पाते है वे भी शत-प्रतिशत अपने मताधिकार का उपयोग करें। मतदाता जागरूकता अभियान रैली एवं कैण्डल मार्च में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम, जिला नोडल अधिकारी स्वास्थ्य विभाग, लोगसभा निर्वाचान एवं नोडल अधिकारी मितानिन कार्यक्रम डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, डी.पी.एम. संदीप ताम्रकार,एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बीएसपी ने वृक्षारोपण कर मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

भिलाई । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर 22 अप्रैल, 2024 को टाउनशिप के सेक्टर-6 क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक डी एल मोइत्रा, महाप्रबंधक उमा कटोच, महाप्रबंधक के प्रवीण, उप महाप्रबंधक विष्णु पाठक, उप महाप्रबंधक डॉ एन के जैन, सहायक महाप्रबंधक बी अनुराधा सहित पर्यावरण प्रबंधन और टाउनशिप विभागों के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक डी एल मोइत्रा ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर टाउनशिप के कर्मचारियों और नागरिकों को धरती मां की रक्षा के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक अपने छोटे-छोटे प्रयासों जैसे प्लास्टिक के उपयोग से बचना, पेड़ लगाना, कचरा कम फैलाना आदि के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को रोकने में अपना योगदान दे सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने स्थापना काल से ही पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बीएसपी ने अपने संयंत्र परिसर, टाउनशिप और खदानों में 50 लाख से अधिक पेड़ लगाए हैं। इसके अतिरिक्त अपने सीएसआर पहल के तहत सड़क किनारे वृक्षारोपण प्रयासों में भी योगदान दिया है। वृक्षारोपण गतिविधियों के अलावा, बीएसपी ने पिछले कुछ वर्षों में उत्सर्जन को कम करने, पानी के पुनर्चक्रण और कचरे के पुन:उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाएं हैं। हाल ही में संयंत्र ने अपने आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण गतिविधियों में ग्रीन टेक्नोलॉजी का समावेष किया है।

हनुमान जन्मोत्सव: मंदिरों में लगा भक्तों का तांता

बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठी इस्पात नगरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देशभर में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव की धूम है। बजरंगबली को समर्पित मंगलवार को उनके जन्मोत्सव को लेकर भक्तों में अलग ही उत्साह है। चैत्र शुक्ल की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर इस्पात नगरी के मंदिरों में सुबह भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर सेक्टर-9 स्थित संकट मोचक हनुमान मंदिर में ब्रह्ममुहूर्त से ही भक्तों की भीड़ उमडनी शुरू हो गई। दुर्ग भिलाई के सभी हनुमान मंदिरों में सुबह से ही पूजा अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया। हिन्दु नववर्ष के बाद पवित्र माह चैत्र प्रतिपदा में हनुमान जयंती का विशेष स्थान है। पूर्णिमा तिथि और मंगलवार के दिन हनुमान जयंती शुभ संयोग है। इस विशेष दिन को हनुमान भक्तों ने और भी विशेष कर दिया। दुर्ग भिलाई के तमाम हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगा हुआ है।

विशेष रूप से सेक्टर-9 स्थित संकटमोचक हनुमान मंदिर में सोमवार आधीरात से ही विशेष पूजा अनुष्ठान शुरू हो गए। यही नहीं आधीरात के बाद से ही हनुमान मंदिर में भक्तों का जुटना शुरू हो गया।

मंदिर से लेकर सड़क तक भक्तों की भीड़

सेक्टर-9 स्थित संकट मोचक हनुमान मंदिर में भक्तों की भीड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मंदिर से लेकर सड़क तक भारी भीड़ रही। गेट के पास जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर पहुंचने वाले भक्तों को पोहा व जलेबी के साथ शीतल जल दिया गया। वहीं भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन द्वारा दूर दूर तक पंडाल लगाया गया था ताकि भक्तों को छांव मिल सके। सेवादार भी भक्तों की सेवा में लगे हुए हैं।

दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हुआ हवन पूजन

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सी मार्केट सेक्टर-6 स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में सोमवार को अखंड महायज्ञ शुरू हुआ। हनुमान जन्मोत्सव पर महायज्ञ की पूर्णाहुति दी गई। इसके बाद भक्तों ने विशेष पूजा अर्चना की और हनुमान का अभिषेक किया गया। हनव पूजन के बाद मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों भक्तों ने बजरंगबली का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति की ओर से भक्तों को हलवा पूरी व अन्न प्रसाद दिया गया। हनुमान जन्मोत्सव के दौरान मंगलवार को जगह जगह भोग भंडारे का आयोजन किया गया। शहर के सभी हनुमान मंदिरों में विशेष पूजन अनुष्ठान के बाद भंडारा हुआ जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बुजुर्ग मतदाताओं को केंद्र तक लाने बनाई 24 टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। ऐसे मतदाता जिनकी उम्र 80 पार है, उन्हे मतदान कराने पोलिंग बूथ तक लाया जाएगा।

इसके लिए रिसाली निगम ने 2 दर्जन से ज्यादा आटो व ई रिक्शा की व्यवस्था की है। मतदाता रथ से मतदाताओं को केंद्र तक लाने की जिम्मेदारी 30 कर्मचारियों पर रहेगी। आयुक्त मोनिका वर्मा ने मतदाता रथ प्रभारियों की बैठक सोमवार को ली। 80 उम्र पार कर चुके मतदाताओं और दिव्यांगो की सूची उपलब्ध कराई गई। आयुक्त मोनिका वर्मा ने निर्देश दिए कि मतदाताओं की सूची के हिसाब से रूट तैयार कर पहले से मतदाताओं को सूचित करे। आयुक्त ने मतदाता रथ प्रभारियों को कड़े शब्दों में कहा कि इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

केवल दिव्यांग व बुजुर्ग

आयुक्त ने रथ के प्रभारियों से कहा है कि रथ का उपयोग केवल दिव्यांग या फिर बुजुर्गो के लिए होगा। किसी भी राजनैतिक दल के सदस्यों के कहने पर रथ का उपयोग सामान्य वर्ग के लिए न किया जाए। मोनिका वर्मा ने कहा कि रथ में सवार मतदाता केंद्र में सीधे प्रवेश कर मतदान कर लौटेंगे।

एआरओ ने किया निरीक्षण

दुर्ग ग्रामीण के ए आर ओ मुकेश रावटे ने रिसाली निगम क्षेत्र के मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। रिसाली बस्ती, आत्मानंद स्कूल, मरोदा कैंप और स्टेशन मरोदा केंद्र में बने बूथ के प्रवेश , निकाश द्वार की स्थिति को देखा। आत्मानंद स्कूल में बनाए केंद्र का कक्ष बदलने निर्देश दिए।

बीएसपी ने भारतीय रेलवे को आर-350 हीट-ट्रीटेड रेल की दूसरी रेक भेजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने 20 अप्रैल 2024 को 260 मीटर लंबाई वाली र-350 हीट-ट्रीटेड रेल की 1000 टन की दूसरी रेक भारतीय रेलवे को भेजी। भारतीय रेलवे, हायर एक्सल लोड के साथ रेल परिवहन को और भी तेज करने के लिए आधुनिकीकरण की ओर अग्रसर है। इसके लिए भारतीय रेलवे की ओर से, सेल द्वारा उत्पादित माइक्रो-अलॉय रेल और हीट-ट्रीटेड रेल दोनों की मांगों में बढोत्तरी हुई है। भिलाई इस्पात संयंत्र, छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय रेलवे की वांछित ग्रेड में रेल की मांगों को पूरा कर रहा है। संयंत्र अपने आधुनिक यूनिवर्सल रेल मिल से 130 मीटर वाली दुनिया की सबसे लंबी रेल बनाता है। साथ ही भारतीय रेलवे को 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनल की भी आपूर्ति करता है। भिलाई इस्पात संयंत्र ने माइक्रो-अलॉय रेल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, नए 60 ई-1 प्रोफाइल के साथ आर-260 रेल का एक नया ग्रेड विकसित किया था। संयंत्र द्वारा जुलाई 2022 से रोल आउट कर भारतीय रेलवे को आपूर्ति किया जा रहा है। रेल के इस नए ग्रेड उत्पाद की मानक और विशिष्टताएं, बीएसपी द्वारा पूर्व में उत्पादित ग्रेड-880 या यूटीएस-90 रेलों की तुलना में अधिक है।

ईव्हीएम एवं वीवीपैट कमीशनिंग के लिए दिया गया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 07 दुर्ग अंतर्गत विधानसभा 62-पाटन, 63-दुर्ग ग्रामीण, 64-दुर्ग शहर, 65-भिलाई नगर, 66-वैशाली नगर, एवं 67-अहिवारा के उपयोग होने वाले ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीनों की कमीशनिंग तथा माकपोल कार्य के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी महाविद्यालय (बी.आई.टी.) दुर्ग में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बताया गया कि कमीशनिंग का मतलब है, मशीन को मतदान के लिए तैयार करना। इसमें वीवीपैट में पर्चियों के विवरण प्री फीड करना, पेपर रोल लगाना, बीयू में मतपत्र सेट करना और मतदान के लिए बटनों को उपलब्ध कराना, सीयू में अभ्यर्थियों की संख्या निर्धारित करना, सील करना इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीनों के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया गया। ईव्हीएम एवं वीवीपैट कमिशनिंग कार्य बहुत जिम्मेदारी वाला कार्य है। इसमें न केवल मशीन को मतदान के लिए तैयार किया जाता है, वरन इसे समुचित तरीके से सील भी किया जाता है ताकि किसी छेड़छाड़ की आशंका को समाप्त किया जा सके। निर्वाचन कार्य के अबाधित एवं सुचारू रूप से संपादन के लिए कमीशनिंग कार्य का पूर्ण गुणवत्तापूर्वक किया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को कमीशनिंग के दौरान उचित ढंग से सिलिंग करने कहा। कमीशनिग का कार्य महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। टीम भावना के साथ समय का अनुपालन करते हुए कार्य सुनिश्चत करेंगे। प्रत्येक मशीन के लिए चेक लिस्ट उपलब्ध कराया जाएगा। ईव्हीएम एवं वीवीपैट कमीशनिंग में बताया गया कि मॉकपोल के पूर्व ईवीएम और वीवीपैट का संयोजन और मॉकपोल का संचालन, क्लियर करने के संबंध में जानकारी दी गई।

आमंत्रण.....

।। श्री दक्षिणेश्वर धाम सरकार ।।

श्री हनुमान जी महाराज का जन्मोत्सव

दिनांक:- 23 अप्रैल 2024, दिन मंगलवार

-: कार्यक्रम :-

22 अप्रैल 2024, दिन सोमवार
प्रातः 8 बजे से श्रीराम चरित मानस पाठ प्रारंभ
दिनांक 23 अप्रैल 2024, दिन मंगलवार
प्रातः 4 बजे से श्री हनुमान जी महाराज का अभिषेक एवं रामचरित मानस पाठ का समापन
तदुपरान्त हवन (यज्ञ)
तत्पश्चात् महाआरती, महाभण्डारा

आप सभी परिवार सादर आमंत्रित हैं....

-: स्थान :- श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर (शत्रुहन्ता)
सेक्टर-6, सी-मार्केट, भिलाई

-: मोबा.:- 9303937221, 9111768300

लोकसभा चुनाव 2024: नामांकन वापसी का अंतिम दिन, दुर्ग के चुनावी मैदान में 25 प्रत्याशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत दुर्ग लोकसभा में नाम वापसी के अंतिम दिन प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो गई है। दुर्ग लोकसभा सीट से कुल 25 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में होंगे। भाजपा व कांग्रेस के अलावा यहां से बसपा सहित अन्य निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। नामांकन वापसी के अंतिम दिन समय समाप्ति के बाद कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्य राजनीतिक दलों के अभ्यर्थियों एवं अन्य अभ्यर्थियों को चुनाव प्रतीक चिन्ह आबंटित किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अभ्यर्थी दिलीप रामटेके बहुजन समाज पार्टी को हाथी चुनाव चिन्ह, राजेन्द्र साहू इंडियन नेशनल कांग्रेस को हाथ और विजय बघेल भारतीय जन्ता पार्टी को कमल चुनाव चिन्ह आबंटित किया गया। इसी प्रकार डॉ. अंजू केमे एकम सनातन भारत दल को बांसुरी, पुष्पा मैरिसा आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया को कोट, यशवंत सीताराम साहू भारतीय शक्ति चेतना पार्टी को एयरकंडीस्नर, राकेश साहू न्यायधर्मसभा को हीरा, विकास शर्मा लोकशाही एकता पार्टी को सिलाई की मशीन, शीतकरण महिलवार आजाद समाज पार्टी को केतली, शंकर ठाकुर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को आरी, श्याम सुंदर साहू लोकतंत्र कांग्रेस पार्टी को बाल्टी, सविता शैलेन्द्र बंजारे शक्ति सेना को गैस सिलेंडर, सुखदेव टंडन राष्ट्रीय जनसभा पार्टी को नारियल फार्म चुनाव चिन्ह आबंटित किया गया है।

इसी क्रम में अनूप कुमार पाण्डेय निर्दलीय को बल्ला, अरूण जोशी निर्दलीय को लिफ फा, अली हुसैन सिद्दकी निर्दलीय को सीटी, अशोक जैन निर्दलीय को माचिस की डिब्बी, खिलानंद जसपाल निर्दलीय को गन्ना किसान, ध्रुव कुमार सोनी उर्फ लंगूर सोनी निर्दलीय को टॉफियां, बलदेव साहू निर्दलीय को कॉच का गिलास, भागबली सिवारे निर्दलीय को अलमारी, भानुप्रताप चतुर्वेदी निर्दलीय को ब्लैकबोर्ड, संतोष कुमार मारकण्डे निर्दलीय को सेब, हरिचंद ठाकुर निर्दलीय को कम्प्यूटर और डॉ. हरिशचंद्र साहू निर्दलीय को ऑटोरिक्शा चुनाव प्रतीक चिन्ह आबंटित किया गया है।

लॉटरी सिस्टम से हुआ चुनाव चिन्ह का फैसला

लोकतंत्र कांग्रेस पार्टी के अभ्यर्थी श्याम सुंदर साहू और शक्ति सेना (भारत देश) के अभ्यर्थी सविता शैलेन्द्र बंजारे द्वारा गैस सिलेंडर चुनाव चिन्ह को प्रथम वरीयता दिए जाने पर इसका फैसला लॉटरी निकालकर किया गया। जिसमें गैस सिलेंडर चुनाव चिन्ह सविता शैलेन्द्र बंजारे शक्ति सेना (भारत देश) के नाम पर लॉटरी निकली।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950